RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 | अंक : 211 | 28 फरवरी, 2023 | मूल्य : 30/-प्रति

जोधपुर के पलासनी में आयोजित प्रथम सामूहिक विवाह की झलकियां

आयोजन में मुख्य भामाशाह :

भाकर राम जी सोलंकी पालड़ी द्वारा रू. 51,000, जगदीश पुत्र दला राम जी गहलोत पालासनी रू. 51,000। अमरा राम मरोटिया पीपाड़ शहर 31 कीट बर्तन सेट, आईदानराम पुत्र नारायणराम, चुतराराम पुत्र फुआराम की ओर से 30 पलंग सेट, चेतन पुत्र रामचंद्र गहलोत हनुमान पुत्र केसाराम गहलोत ओमप्रकाश पुत्र टीकूराम गहलोत पप्पूराम पुत्र जवरीलाल गहलोत घनश्याम पुत्र दौलाराम गहलोत की ओर से 30 अलमारियां भेंट। सम्पत राज सैनी पीपाड़ शहर 30 चांदी के सिक्के, रेवत राम परिहार आसोप टेबल पंखे 30, हरिसिंह, अर्जुनसिंह, सुरजीत पुत्र मालाराम गहलोत 30 जोड़ी चांदी की चुड़ियां। इसके अलावा समाज के अनेकों भामाशाहों ने अपनी ओर से गिफ्ट व सहयोग राशि भेंट की।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 211 ● 28 फरवरी, 2023 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा (अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला (समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी (उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला (बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत (उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला (अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली (शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

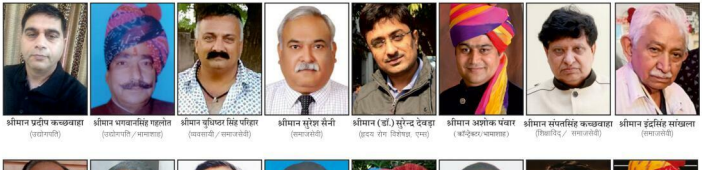

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा (उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत (उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार (व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी (समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा (हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार (कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा (शिक्षाविद् / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला (समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला (कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार (बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा (व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार (शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत (व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार (उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी (व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत (उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत (युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा (समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत (कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत (आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत (उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी (पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार (MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत
(पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा
(भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

श्रीमान इंजि. जुगल किशोर भाटी
(भेल इण्डिया, भोपाल)

संपादक की कलम से...

अभिभावक आवश्यक रुप से कुछ समय अपने बच्चों के साथ बिताएं...

मनीष गहलोत
संपादक

आधुनिक समय के विकास के कारण जीवन स्तर तो बढ़ रहा है परन्तु इससे मानवीय मूल्यों में कमी आ रही है। आध्यात्मिक विकास और सामाजिक विकास तो मानो थम सा गया है। युवा वर्ग अपने माता-पिता से दूर होता जा रहा है। आज के युवा के पास अपनी पढ़ाई से फुरसत नहीं है और जो समय पढ़ाई से बच जाता है वह फेसबुक या इन्टरनेट में चला जाता है। इस कारण वह अपने घर-परिवार और समाज से दूर होता जा रहा है। वह शैक्षिक विकास में तो आगे बढ़ रहा है परन्तु मानवीय व्यवहार में तेजी से पिछड़ रहा है। इसमें छात्रों की लापरवाही देखी जा रही है।

लेकिन इसमें अभिभावकों का भी उतना ही दोष है ?

-क्या वे शाम को कुछ समय अपने बच्चे के साथ बिताते है ?

- क्या वे घर के मामलों में कभी उसकी राय लेते हैं। - क्या वे अपने बच्चे की आवश्यकता को ध्यान में रखते हैं ?

- क्या वे कभी सोचते हैं कि उनके बच्चों को उनसे बात करना बहुत अच्छा लगता है। लेकिन वे डरे- सहमे, पहल नहीं पर पाते ?

आज के समय में अभिभावकों को चाहिये कि वे आवश्यक रूप से कुछ समय अपने बच्चों के साथ बितायें। उनसे घरेलु मामलों में राय ले। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उससे बातचीत करे और प्रतिदिन उनसे औपाचारिक वार्तालाप करे। उससे उसकी पढ़ाई से सम्बन्धित जानकारी ले और इस संबंध में अपनी राय और आवश्यक दिशा-निर्देश दे। इससे आपके बच्चे द्वारा किये गये प्रत्येक फैसले में आपकी सहमति होगी और वह कभी गलत फैसले का चयन नहीं करेगा। अगर माता-पिता अपना निर्णय अपने बच्चे पर थोपने की बजाय उसे प्यार से समझाये तो इससे उस पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वह भी आपको सहयोग करेगा। आप उसके जीवन के प्रत्येक पहलु से परिचित रहेंगे।

वर्तमान समय आगे रहने का समय है और जाहिर है, इसके लिए बच्चों को बहुत ज्यादा दबाव का सामना करना पड़ता है। उसे क्लास में पीछे रहने का डर है, टॉप कॉलेज में सलेक्शन न होने का डर है, अच्छे मार्क्स न आने का डर है, ऑफिस में अच्छी प्रजेंटेशन न दे पाने का डर है, और घर में पापा की डांट खाने का डर है। इस 'डर' से वह अत्यधिक हीन भावना से ग्रसित हो जाता है। वह इतना डर-डर के जीता है कि वह बहुत ज्यादा प्रेशर में रहता है। और उसे अत्यधिक मानसिक दबाव झेलना पड़ता है।

ऐसे में अगर उसके माता-पिता शाम के समय थोड़ी देर भी उससे औपचारिक वार्तालाप करते हैं तो यह उसके तनाव को काफी हद तक कम कर देता है। लेकिन माता-पिता पढ़ाई के मामले में उसे अधिक प्रतिभावान छात्रों की मिसाल देते हैं। परन्तु क्या वे अपने बच्चों को उस स्तर का वातावरण देते हैं जो उस अधिक प्रतिभावान छात्र को मिला है। अपने बच्चों को बात-बात पर तानें मारना, छोटी सी बात पर बिगड़ना उनकी आदत हो जाती है लेकिन क्या वे कभी सोचते हैं इससे उनके बच्चे को कितना अकेलापन महसूस होता है। उनके मन में कैसे विचार आते हैं और वे अपने आपको असहाय समझने लगते हैं। इसके चलते वे कभी-कभी गलत राहों का चयन भी कर लेते हैं, लेकिन इसमें उनका कोई दोष नहीं होता क्योंकि उनका मानसिक संतुलन ही बिगड़ा हुआ होता है।

इस परिस्थिति से निपटने के लिये पेरेन्ट्स को प्रतिदिन कुछ समय अपने बच्चों के साथ बिताना चाहियें और उनसे उनकी पढ़ाई, उनकी पसन्द-नापसन्द, स्कूल/कॉलेज, एक्टिविटी, घर के मामलों में उनकी राय आदि औपचारिक बातें करनी चाहिये और अगर उसे किसी बात की परेशानी है या किसी बात का कोई डर है तो उसका समाधान निकालने चाहिये। इससे आपके बच्चे के तनाव में कमी होगी और वह मन से आपको समझने लगेगा और आदर देगा। औपाचारिक वार्तालाप के अभाव में वह कुंठाग्रस्त हो जाता है और अपने अभिभावकों से दूर होता जाता है और यह दूरी धीरे-धीरे बढ़ती जाती है।

अगर आप अपने बच्चे के साथ प्रतिदिन कुछ औपचारिक वार्तालाप नहीं कर सकते तो आप यह शिकायत भी नहीं कर सकते कि आपका बच्चा आपसे दूर होता जा रहा है या वह तनावग्रस्त रहता है या वह आपकी नहीं सुनता। वास्तव में यह एक भयावह समस्या है। आपको इससे पार पाना ही होगा, और इसका सर्वश्रेष्ठ समाधान आपसी औपचारिक वार्तालाप है।

अभिभावकों को भी इससे सुकून मिलेगा कि उनका बच्चा उनके इतना पास है। बच्चों को तो जैसे स्वर्ग मिल जायेगा क्योंकि यह उसके तनाव को कम करने का एक मात्र तरीका है। इस तरह वो आपसे अपनी हर छोटी-बड़ी बात शेयर कर सकेगा जिससे इस रिश्ते में हमेशा नजदीकियां बनी रहेगी। पेरेन्ट्स को अपने बच्चे के साथ औपचारिक वार्तालाप करना चाहिये जिससे आप उसे हमेशा अपने नजदीक पायेंगे और वह भी आपके प्रत्येक निर्देश का सम्मान करेगा। इसलिये आप आज से ही अपने बच्चों को अपने व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकाल कर दें, इसका सुखद परिणाम आपके सामने होगा।

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

फुलेरा दोज के अबूझ सावे पर रही शादियों की धूम, सामाजिक एकता एवं मिलनसारिता का अनूठा मिलन

विभिन्न सामूहिक विवाह आयोजनों में 309 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

सामाजिक संस्थाओं ने भामाशाह के सहयोग से समाज के करोड़ों रूपए बचा दिए मितव्यवता का संदेश

पलासनी जोधपुर

जयपुर

पलासनी में 30 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ

जोधपुर। माली समाज गांव पालासनी व माली सेवा संस्थान द्वारा प्रथम बार सामूहिक विवाह का आयोजन मंगलवार फुलेरा दूज को महादेव मंदिर के पास स्थित मैदान में आयोजित किया गया। जिसमें सर्व प्रथम मंदिर पर बैंड बाजों के साथ ठाकुर जी की बारात रवाना की गई जो मंदिर के पास से समाज के लोगों ने बारात की अगुवाई करते हुए बाहर से आई 30 वर वधुओं और एक तुलसी सालग राम जी का स्वागत किया। साथ ही टोकन नम्बर देकर दूल्हों को बगी ओर घोड़ों पर बिठाया गया, स्वागत रस्म के बाद शोभायात्रा शुरु की गई, जिसमें वर-वधुओ को बेंड बाजों के साथ के जरिए शाही लवाजमे के साथ गांव के मुख्य मार्ग से होते हुए वरघोड़े सम्मेलन ग्राउंड पहुंचे । जहां पर तोरण रस्म करने के साथ ही वर-वधु को फेरो के लिए चवरी में बिठाया गया। जहां पर पंडितो द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वर-वधु को परिणय सूत्र की डोर में बंधा गया।

इस मौके पर सभी भामाशाहों का स्वागत सम्मान किया गया। संस्थान अध्यक्ष अर्जुन सिंह गहलोत ने बताया कि 15,000 से ज्यादा लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनाया गया। सभी दूल्हा-दुल्हन को भामाशाह की ओर से उपहार स्वरूप पलंग, तिजोरी सूटकेस, गैस चुल्हा, पानी कैंपर से लेकर सभी घरेलू सामान उपहार में दिए गए। बतौर मुख्य अतिथि और भामाशाह कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जैतारण विधायक अविनाश गहलोत, पीपाड़ चौयरमेन समु देवी सांखला, जैतारण चौयरमेन रामस्वरूप भाटी, पीपाड़ पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंह कच्छावाह, प्रभाकर टाक, चिमनाराम टाक, धनराज सोलंकी डायरेक्टर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अजय सिंह टाक, राज ग्रुप के सुरेश कच्छावाह, पीपाड़ सब्जी मण्डी अध्यक्ष श्रवणराम, अतिरिक्त ब्लश्चक शिक्षा अधिकारी भोपालगढ़ अल्फुराम टाक, माली सैनी सब्जी मंडी भोपाल के पूर्व उपाध्यक्ष हेम सिंह सोलंकी, भागीरथ देवड़ा सहित कई भामाशाह व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सोशल मीडिया का हुआ सही उपयोग दिया नया संदेश : पीपाड़ सहित आसपास के ग्रामीण परिवेश से विभिन्न सेना और पुलिस में लगे सभी युवाओं ने एक सैनी सोल्जर व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है जिसमें हर समाज के कार्यक्रम में वह सहयोग करते हैं इस बार उन्होंने विवाह समारोह में सड़क सुरक्षा के तहत वर वधु प्रत्येक जोड़े को आई एस आई मार्क के 2 हेलमेट और एक बजाज का गैस चूल्हा देकर समाज में अपनी भागीदारी निभाई और एक नया संदेश दिया।

पालासनी सरपंच लेहरकी देवी, हिराराम, लक्ष्मण राम, छोटी देवी तारा राम गहलोत ने सभी भामाशाह समाजसेवियों का स्वागत किया। मुख्य कार्यकारणी के बगदाराम, खेताराम, सम्पतराम माली, पप्पुराम, सम्पत गहलोत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए।

26 जोड़ें बनें हमसफर

अलवर। फुलेरा दोज का अबूझ सावा होने से मंगलवार को शादी समारोह की धूम रही। सैनी सामूहिक विवाह समारोह में 26 जोड़ों की शादी हुई। सैनी समाज सामूहिक विवाह एवं समाज उत्थान थे। समिति की ओर से प्याज मंडी में आयोजित 26वें अखिल भारतीय सैनी सामूहिक विवाह समारोह में न 18 जोड़ों की शादी हुई। समिति की ओर से अब तक हुए समारोह में 620 जोड़ों के विवाह हो चुके हैं। सुबह रोड नंबर दो स्थित जय का कॉम्प्लेक्स से बैंड बाजे के साथ खुली जिप्सी में दूल्हों की निकासी निकाली गई। इस दौरान तोप से पुष्पवर्षा की जा रही थी। निकासी विवाह समारोह स्थल पहुंचने पर तोरण और वरमाला की रस्में हुई। इसके बाद आचार्य रामकिशन पांडे, सतीश चंद्र गौतम अन्य पंडितों ने पाणिग्रहण संस्कार कराया।

आशीर्वाद समारोह में अतिथि केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन अनुकरणीय कदम है। सभी समाजों को सामूहिक विवाह के लिए पहल करनी चाहिए। सामूहिक विवाह सम्मेलनों से समाज में फैली दहेज की बुराई पर रोक लग सकती है। समाज के प्रतिष्ठित लोगों को सर्वजातीय सैनी, अलवर फल सब्जी आढ़ती यूनियन के सचिव पंकज सैनी, मालाखेड़ा सैनी समाज अध्यक्ष लालाराम सैनी, तिजारा अध्यक्ष कृष्ण सैनी, रैणी अध्यक्ष डॉ. कैलाश सैनी, सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष प्रताप सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा अध्यक्ष कमल सैनी, पार्षद कमला सैनी, रमेश सैनी, राजेश सैनी, रोशन सैनी आदि उपस्थित रहे।

अलवर

नया व्यवसाय प्रारंभ करने वाले मुकेश सैनी, हेमंत सैनी, गणेश सैनी ने अपनी पहली कमाई कन्यादान स्वरूप समारोह में भेंट की। समिति प्रवक्ता जितेंद्र खुराड़िया ने मंच संचालन किया। समारोह में अलवर जिले के अलावा कोटपूतली, दौसा बांदीकुई, हरियाणा व पंजाब के सजातीय लोगों ने भी भाग लिया।

14 जोड़ें बनें हमसफर

भरतपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले माली समाज उत्थान समिति भरतपुर द्वारा कुशवाह, शाक्य, मौर्य एवं समस्त सैनी समाज का 19 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार को आरबीएम हॉस्पिटल के पीछे कम्पनी बाग प्रांगण पर आयोजित हुआ। सैनी समाज के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में बरेली, मथुरा, भरतपुर, अलवर एवं आसपास के स्थानों से पहुंचे 14 जोड़ों का विधि विधान के साथ सोनू पण्डा के नेतृत्व में पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ। समिति अब तक 409 जोड़ों का विवाह करा चुका है। सैनी समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष

जानकी प्रसाद सैनी ने की। प्रारंभ में सभी अतिथियों का समिति के पदाधिकारियों ने साफा, पटका एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह में तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डा. सुभाष गर्ग ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले को नमन करते हुए नवविवाहित वर वधुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह केवल गरीब लोगों के लिए ही नहीं है अपितु सभी लोग सामूहिक विवाह का माध्यम अपना रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सरकार के कामकाज की तारीफ करते हुए बताया कि इस वर्ष के बजट में सरकार ने कमजोर एवं गरीब तबके का ध्यान रखा है। इससे पूर्व मनकामेश्वर महादेव मंदिर से पारम्परिक पोशाक में सभी वरों की सजे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली में शोभायात्रा निकली जो विवाह स्थल कम्पनी बाग पहुंचकर वधू पक्ष की ओर से उनका स्वागत किया गया।

11 जोड़े बनें हमसफर

चौमूं। महात्मा ज्योतिबा फूले सेवा संस्थान, दौसा के तत्वावधान में पंचम विवाह सम्मेलन का आयोजन 21 फरवरी, 2023 फुलेरा दोज को सैनी समाज छात्रावास, दौसा पर किया गया। मीडिया प्रभारी कवि कृष्ण कुमार सैनी ने बताया सैनी समाज के पंचम विवाह सम्मेलन में मुख्यातिथि मंत्री मुरारीलाल मीना व महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश रहे। विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, प्रधान प्रहलाद नारायण मीना, पूर्व प्रधान लटूर मल सैनी, सैनी समाज के जिलाध्यक्ष गिर्राज प्रसाद सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश चंद सैनी आदि रहे।

आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण, साफा व दुप्पटा भेंटकर सम्मान किया गया। सचिव सुरेश सैनी भालका ने बताया कि इस दौरान मंत्री मुरारीलाल मीना ने अपने उद्‍बोधन में सैनी समाज के पंचम सामूहिक विवाह सम्मेलन में छात्रावास विकास के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की व मंत्री ममता भूपेश ने छात्रावास में पानी के लिए एक सिंगल फेज सोलर पंप व 1 लाख रुपए छात्रावास विकास हेतु नगद देने की घोषणा की। जिला प्रमुख हीरालाल सैनी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से भाई चारा बढ़ता है। समय समय पर इस तरह के आयोजन होने चाहिए, जिससे सामाजिक सौहार्द का माहौल बने। अध्यक्ष जगदीश प्रसाद सैनी आढ़तिया ने बताया कि इस बार लगभग 11 जोडे परिणय सूत्र में बंधे। सुबह लगभग समाज के गणमान्य नागरिकों द्वारा 9.15 बजे बारात की अगुवानी, 10 बजे तोरण, वरमाला व आशीर्वाद समारोह सुबह 11 बजे, पाणिग्रहण संस्कार दोपहर 12 बजे से व विदाई शाम 4 बजे से आदि सभी रस्में हिन्दू रीति रिवाज से सम्पन्न हुई। लल्लू सैनी गरुजी ने बताया कि इस दौरान सभी आगंतुको के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई थी। सभी जोड़ो को उपहार स्वरूप बैड, आलमारी, ड्रेसिंग, फिज, एलइडी, प्रेस, मथानी, पायजेब, कान की बाली, नाक का काँटा, मंगलसूत्र, चटकी, अँगूठी, दूल्हे व दुल्हन का बेस, जेगड, बर्तन, टेबिल कुर्सी, मिक्सी, चादर, तकिया, घड़ी, सिलाई मशीन आदि सभी जरूरतमंद सामान कन्यादान के रूप में दिए गए। इस दौरान छोटूराम सैनी संरक्षक छात्रावास, कन्हैया लाल सैनी, गिरधारी लाल सैनी अध्यक्ष छात्रावास, गोविन्द नारायण सैनी पूर्व अध्यक्ष, गबदुराम सैनी, ईश्वर लाल सैनी, गिर्राज सैनी भांडारेज, लल्लू प्रसाद सैनी प्रबंधक, पूरणमल सैनी पार्षद, एडवोकेट रमेश सैनी, भगवान सहाय सैनी, शंकर लाल सैनी पूर्व नगर अध्यक्ष, कालूराम पटेल, मूलचन्द सैनी नगर अध्यक्ष, मोहनलाल सैनी उपाध्यक्ष, महाराज सिंह गिरदावर, प्रेम जयपुरी, डॉ रामहेत सैनी, सरपंच ओमप्रकाश सैनी गणेशपुरा, राजेश सैनी पूर्व सचिव, मीडिया प्रभारी संजय करेडिवाल आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।मंच

संचालन सैनी समाज सचिव रामबाबू ज्योति व छात्रावास सचिव रंगलाल सैनी ने सामूहिक रूप से किया।

11 जोड़े बनें हमसफर

दौसा। फुलेरा दोज के अबूझ सावे पर मंगलवार को शादियों की धूम रही। जिला मुख्यालय पर सैनी समाज के पंचम सम्मेलन में 11 नवदंपतियों के चेहरों पर हमसफर बनने की खुशी की झलक दिखी और विदाई के दौरान वधु पक्ष की आंखों में खुशी के आंसू थे। बहरहाल, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार से ज्यादा बुधवार को शादियों की धूम ज्यादा रहेगी। सात फेरों से लेकर शादी की सभी रस्मों में समाज के प्रमुख लोगों के अलावा हजारों लोग खुशी के क्षणों के गवाह बने और नव दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। सम्मेलनों में सजे मंडप व पांडालों में दोनों पक्षों के लोगों ने शादी की खुशियां का लुत्फ उठाया। वहीं सामाजिक समरसता व सद्भाव का भी अनूठा संदेश दिया।

16 जोड़े बनें हमसफर

जयपुर। फुलेराज दोज के अबूझ सावे पर मंगलवार को शहर में 2200 से अधिक जोड़ों का विवाह हुआ। इनमें कई जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन में पाणिग्रहण संस्कार हुआ। इसी क्रम में, जयपुर जिला माली सैनी समाज की ओर से 16 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान, विद्याधर नगर में हुआ। सुबह गोरक्षनाथ मंदिर से दूल्हों की सामूहिक बारात निकाली गई। विभिन्न स्थलों से होते हुए बारात विवाह स्थल पहुंची। यहां तोरण की रस्म हुई। इसके बाद सभी जोड़े मंत्रोच्चारण के बीच परिणय सूत्र में बंधे। मुख्य अतिथि मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सभी नवदंपतियों को कन्या भ्रूण हत्या नहीं करने का की शपथ दिलाई। संस्थान के अध्यक्ष रोशन सैनी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि महापौर हेरिटेज मुनेश गुर्जर व समाज कल्याण बोर्ड चेयरमैन अर्चना शर्मा सहित गणमान्य लोगों ने वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से वर-वधुओं को आशीर्वाद संदेश भेजा गया।

37 जोड़े बनें हमसफर

करौली। माली समाज के पंचम सामूहिक विवाह सम्मेलन में तुलसी - सालेग्राम सहित 37 जोड़े मंगलवार को हमराही बने। बारात सेलोकर हनुमान मंदिर से रवाना होकर मंडरायल रोड स्थित महात्मा ज्योतिवा फुले छात्रावास परिसर में पहुंची। जहा पर 37 वरों ने 37 वधूओं का धार्मिक रुप से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ वरण किया। वहीं दूसरी और छात्रावास में महात्मा ज्योतिवा फुले की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। माली समाज का पंचम सामूहिक विवाह सम्मेलन मंडरायल रोड स्थित महात्मा ज्योति राव फुले छात्रावास परिसर में धूमधाम से आयोजित किया गया। बारात सेलोकर हनुमान मंदिर से विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद रवाना हुई। जिसमें

करौली

पर नाचते गाते युवक चल रहे थे और उनके पीछे ट्रैक्टर ट्रॉलियों में 37 दुल्हे बैठकर चल रहे थे और अंत में समाज के गणमान्य लोग चल रहे थे। बारात के छात्रावास परिसर पहुंचने पर समाज के गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद 37 पांडालों में 37 पंडितों ने 37 वर वधुओं को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह बंधन में बांधा। इसके बाद विवाह की सभी रस्म संपन्न होने के बाद भोजन प्रसादी हुई और बारात को वधू के साथ विदा किया तो सभी की आंखे नम हो गई। वहीं दूसरी और मुख्य पंडित ने भगवान सालेग्राम और तुलसी विवाह को संपन्न कराया। विवाह सम्मेलन समिति की ओर से नवविवाहित वर वधू के वैवाहिक जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामान भी उपहार के तौर पर दिया गया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में बड़ी संख्या में आसपास के गांव के ग्रामीणों ने सहयोग किया और व्यवस्थाएं संभाली।

15 जोड़े बनें हमसफर

किशनगढ़। महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण एवं विकास संस्थान, किशनगढ़ द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेहन में 15 जोड़ों के विवाह के साक्षी बने किशनगढ़ के 10 हजार समाजबंधु ने इस आयोजन में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के भामाशाह राजेन्द्र महावर व मुख्य अतिथि समाज के ही भामाशाह नन्दलाल सैनी ने कि इसके अलावा समाज के प्रदेशभर से पधारे समाजबंधुओं ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्थान के अध्यक्ष कानाराम उबाना व सचिव बलराज सैनी नेबताया कि प्रात: 8 बजे डाक बंगले से होते हुए कृष्णापुरी पुलिया से छात्रावास भवन में दुल्हे की बारात पहुंची जिसका मुख्य द्वार पर तोरण करवाया गया तथा सभी दुल्हनों को मंच पर लाकर समाज के सामने वरमाला सम्पन्न हुई। सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि समाज का एक होना स्वयं व समाज के लिए तो हितकारी होता ही है साथ ही साथ देश के लिए भी सकारात्मक होता है। आपके समाज ने बहुत कम समय में भामाशाह के सहयोग से छात्रावास का निर्माण करवाया है निश्चय ही दूसरे समाज के लिए एक आदर्श है। विधायक सुरेश टांक ने महिला शिक्षा की वकालत करते हुए कहा कि अब किशनगढ़ में महिला महाविद्यालय भी खुल गया है तो बच्चे के साथ- साथ बच्चियों को भी पढ़ाओ जिससे वह सक्षम होकर दुनिया में आपका नाम रोशन कर सके जिस प्रकार आपके समाज की बेटी रेणु ने अपने परिवार व पिता का नाम रोशन किया है। साथ ही साथ सभी कन्याओं को कन्यादान स्वरूप भेंट व समिति को 1 लाख देने की के घोषणा कि जिससे अध्यक्ष अनुरोध पर सभी कन्याओं को कन्यादान स्वरूप भेंट किया गया। समिति के महांत्री मोहनलाल सैनी व उपाध्यक्ष जसराज दरदी ने सभी अतिथियों व ग्रामवार सम्मेलन हेतु दिये गये सहयोग के लिए सभी का आभार

व्यक्त किया तथा पदाधिकारी व संरक्षकगणों ने सभी भामाशाहों को स्मृति चिन्ह, साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया। वह सभापति दिनेश सिंह राठौड़ वह समाज के उपखण्ड अधिकारी परसाराम टांक ने भी सभी नवदम्पतियों को आशीर्वाद प्रदान कर नवजीवन की हार्दिक शुभेच्छा दी।

इस अवसर पर सैनी विकास समिति अध्यक्ष व विधि सलाकार पदमराज सैनी कोषाध्यक्ष धीरज सैनी, संरक्षक छोटूलाल कच्छवाह, संयोजक मदनलाल सैनी, मीडिया प्रभारी धीरज सैनी व संदीप सैनी, मिश्रीलाल दरदी, अमरचंद पालड़िया, विश्राम कच्छवा, भवरलाल गहलोत, नेमीचंद मारोठिया, ताराप्रकाश, नन्दकिशोर दरदी नन्दकिशोर कच्छवा, डॉ. संतोष सैनी, रामेश्वरलाल जादम, रतनलाल मालाकार, रमेश जादम, मदनलाल सोलंकी, मनीष गहलोत, हेमराज मालाकार, सोहनलाल सैनी, छीतरमल गहलोत, छोटूलाल कच्छवा सहित गांवों से पधारे 10 हजार से अधिक समाजबंधु उपस्थित हुए। मंच संचालन छोटूलाल सांखला हनुमानप्रसाद सैनी, फतेहलाल सैनी, नोरतमल दरदी व जसराज दरदी ने किया।

22 जोड़े बनें हमसफर

बस्सी। कस्बे के महत्मा गांधी खेल स्टेडियम में माली समाज विकास संस्थान बस्सी के द्वारा फुलेरा दोज के अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया इस मौके पर काफी दूर दराज से आए हुए सभी समाज बंधु पदाधिकारी अतिथि गण बीजूद थे इस मौके पर माली समाज संस्थान बस्सी के द्वारा आए हुए सभी अतिथियों का माला पहनाकर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया इस मौके पर आए हुए सभीअतिथि गण बस्सी क्षेत्र विधायक लक्ष्मण मीणा पूर्व मंत्री डॉक्टर कन्हैया लाल मीणा, तूंगा उप प्रधान राजेंद्र कुमार सैनी, पूर्व जिला पार्षद बैनी प्रसाद कटारिया, पूर्व राज्य मंत्री एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र मीणा, समाजसेवी करण सिंह मीणा, समाजसेवी डर्मी मीणा, करोल माली समाज के आए हुए सभी पदाधिकारी गण का माला पहनाकर प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया इसी के साथ ही सकल पंच रैगर समाज बस्सी के अध्यक्ष वह अन्य समाज के भी अध्यक्ष पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया इस मौके पर 22 जोड़ी का विवाह संपन्न हुआ इस मौके पर आए हुए सभी अतिथि गण पदाधिकारियों के द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहयोग प्रदान किया यह कार्यक्रम बस्सी कस्बे की महात्मा गांधी खेल स्टेडियम में किया गया इसी के साथ ही बस्सी तुंगा कानोता थाना के थाना अधिकारी पुलिस कर्मी भी मौजूद थे इस मौके पर मंच संचालन श्रवण लाल माली के द्वारा किया गया और माली समाज की मोती लाल माली व समाज के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी बंधु गण उपस्थित थे सभी के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई।

21 जोड़े बनें हमसफर

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा फ्हर के पुर स्थित घाटी के हनुमानजी परिसर में माली समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में। विवाह सम्मेलन से पूर्व सभी वर-वधुओं की सामूहिक बिन्दौली निकाली गई, जो प्रात: 8 बजे नर्सिगद्वारा से आरंभ होकर माली मोहल्ला, सदर बाजार, बजरंगपुरा सहित विभिन्न मार्गों से होते हुई घाटी के हनुमानजी विवाह स्थल पर पहुंची, जहां पर समाजजनों ने उनका फूलों से स्वागत किया। बिन्दौली में समाज की महिलाएं व पुरूशों ने नाचते गाते हुए खुशी का इजहार किया। तत्प चात् सभी दुल्हों ने सामूहिक रूप से तोरण की रस्म अदा कर पाणीग्रहण संस्कार के लिए यगाये गये पाण्डाल में पहुंचे। यहां पर पण्डित अशोक व्यास के सानिध्य में मंत्रोच्चारण के साथ पाणिग्रहण संस्कार की रस्म अदा की गई। सम्मेलन में पाणिग्रहण संस्कार के बाद सभी वर-वधुओं का आ शिर्वाद समारोह आयोजित किया गया। हजारों समाजजनों की उपस्थिति में

वर-वधुओं से एक-दूजे को वरमाला पहनाई।

इस अवसर पर समाज के सभी भामाशाहों का भी स्वागत सम्मान किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से सम्मेलन में सर्वाधिक सहयोग करने पर माली (सैनी) महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल लाल माली का समिति के सदस्यों ने प्र ास्ति पत्र व साफा बंधवाकर उनका वि ोश सम्मान किया गया। साथ ही सत्यनारायण डाबला, लालाराम कच्छावाह, जगदी ा गोयल, रूकमणी देवी, छोटू गोयल, गोपाल सोपरिया, कमले ा माली, प्रका ा तुन्दवाल, देबीलाल दीवड़ा, सोहन लाल माली, सम्पत सोपरिया सहित कई भामा ाहों का समिति द्वारा प्र ास्ति पत्र व समाज के महान पुरोधा महात्मा ज्योतिबा फूले, माता सावित्री बाई फूले की तस्वीर भेंट कर साफा बंधवाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने सम्मेलन में की गई व्यवस्थाओं की भूरी-भूरी प्र ांसा करने हुए इसे एतिहासिक बताया। समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री अ ाेक गहलोत द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन माली महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल लाल माली ने किया, जिसमें गहलोत ने सभी वर-वधुओं को आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं के साथ लिखा कि सामूहिक विवाहों का आयोजन एक अच्छी परम्परा है। इससे विवाह योग्य युवाओं को अपने जीवन साथी चुनने के साथ दहेज प्रथा, फिजूल खर्ची और दिखावे पर अंकुश लगता है। समाज में भाईचारा बढ़ाने सहित सामाजिक समरसता भी इन्ही सम्मेलनों द्वारा कायम की जा सकती है, राज्य सरकार ऐसे सामूहिक सम्मेलनों को प्रोत्साहन देती आ रही है। वहीं प्रदे ा उपाध्यक्ष माली ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे अभिभावक जो आ्थक रूप से कमजोर हैं और अपने बेटे-बेटियों की शादी के लिए लचतित हैं, ऐसे परिजन के लिए समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन किसी वरदान से कम नहीं है। इस तरह के आयोजन समाज में समय-समय पर आयोजित होने चाहिए।

समारोह से पूर्व माली समाज विकास संस्थान, पुर के अध्यक्ष भैरूलाल माली व समिति सदस्यों ने सभी आंगतुकों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष माली ने समाज के द्वारा दिया गया सम्मेलन में सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए विशेष आभार प्रकट किया। मंच का संचालन डॉ. शंकर लाल माली व गोपाल लाल माली द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में भीलवाड़ा जिला सहित राजसमंद, चित्तौड़गढ़, अजमेर, उदयपुर, कोटा, नागौर, पाली सहित कई शहरों व गांवों से हजारों की संख्या में समाजजनों ने शिरकत की। इस अवसर पर माली सैनी महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री कन्हैयालाल माली, माली कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष तोताराम सांखला, सचिव कन्हैयालाल बुलिवाल, संगठन मंत्री गोपाललाल माली, सामूहिक विवाह समिति के मीठुलाल माली, फ्यामलाल, रामे वरलाल, शंकरलाल गोयल, जगदीश चन्द्र ढिबरिया, नानूराम गोयल, रामस्वरूप, कैलाश चन्द्र, बंशीलाल, कालूराम, प्रभुलाल, लालचंद, देबीलाल, भवानीराम, कैलाश चन्द्र, नारायण लाल, राजकुमार, भंवरलाल सहित कई समाजजन व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सम्मेलन में इन जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत व दिया आशीर्वाद-शहर विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, कांग्रेस के अनिल डांगी, भाजपा जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, माण्डल प्रधान शंकरलाल कुमावत, पूर्व प्रधान भंवरलाल गर्ग, पार्षद सूरजकुमार विश्नोई, कालू माली, सेवादल जिलाध्यक्ष योगेश सोनी, कुंदन शर्मा, रोशन लाल महात्मा, लाभशंकर चौबे सहित कई जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवियों ने सम्मेलन में शिरकत कर नवयुगल वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया। तत्पश्चात् विवाह समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों का साफा बंधवाकर महात्मा फूले व सावित्री बाई फूले की तस्वीर भेंट कर उनका स्वागत सम्मान किया।

42 जोड़े बनें हमसफर

इंदौर। श्री गुजराती रामी माली समाज के प्रांतीय अध्यक्ष नारायण यादव ने बताया कि समाज द्वारा 15वां सामूहिक विवाह सम्मेलन नरसिंहघाट स्थित समाज की धर्मशाला में 42जोड़ों का विवाह विवाह विधि पूर्वक संपन्न हुआ। वर वधु को कन्यादान तथा समाज द्वारा तन मन धन से योगदान देकर सफल बनाया।

समारोह के मुख्य अतिथि रामनारायण चौहान महासचिव महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान दिल्ली ने वर वधु को आशीर्वाद दिया और कहा कि समाज द्वारा समाज में जागरूक लोगों द्वारा विगत 40 वर्षों से उज्जैन, देवास, हरसोला, धार, बड़नगर, भोरासा में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होते रहे हैं। प्रांतीय इकाई का यह 15वां सफल सामूहिक विवाह सम्मेलन है। समाज द्वारा दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज को अब सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी सशक्त बनाना है। समाज के कई राजनेता पंच, सरपंच, स्थानीय स्तर पर अध्यक्ष पार्षद आदि है। समाज के विद्यार्थियों ने प्रतिभा अर्जित कर अब देश, विदेश में अध्ययन तथा काम करने लगे हैं उन्हें बधाई।अब इंदौर में समाज द्वारा निर्माणाधीन बहुमंजिला छात्रावास में सहयोग देकर इसी वर्ष प्रारंभ करना है। आगे कहा अब समय आ गया है समाज को मृत्यु भोज पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। इसी प्रकार फिजूलखर्ची रोककर विद्यार्थियों को शिक्षित, प्रशिक्षित करके सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने में परिवार के लोग संकल्प लें। शिक्षा के क्षेत्र में अब समाज में नव जागृति का बिगुल बज रहा है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए नारायण यादव प्रदेश अध्यक्ष ने अतिथियों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों,कार्यकर्ता, वर वधु, उनके पालको, सभी का स्वागत किया। वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट विनोद मकवाना ने समारोह की सफलता हेतु शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ राजनेता श्री सुरेंद्र सांखला ने आशीर्वाद दिया। धर्मशाला निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल गौड़ ने धर्मशाला निर्माण में योगदान के हेतु आभार प्रकट किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष जगदीश डोडिया ने आभार प्रकट करते हुए दिए गए योगदान की सराहना की। संचालन वनमाली पत्रिका के संपादक गजानंद रामी ने किया। समारोह में प्रदेश भर के करीब 5000 समाज जनों ने भाग लेकर सफल बनाया। इंदौर छात्रावास में योगदान हेतु छात्रावास समिति के विष्णु एवं सत्यनारायण पटेल ने आभार प्रकट किया।

61 जोड़े बनें हमसफर

डीसा। माली समाज का 22वां सामूहिक विवाह 06फरवरी, 23 समारोह आयोजित हुआ। जिसमें 61 वर वधु जोड़ा की विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। आयोजन में समाज के सभी वर्गो ने भाग लेते हुए नव विवहित वर- वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर सभी ने सामूहिक विवाह आयोजन की महत्ता पर जोर देते हुए अधिक से अधिक आयोजनों की मांग की, ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता के साथ ही फिजूलखर्ची और समय की बचत तो होती है समाज के सभी वर्गो का मेल मिलाप भी होता है जिसमें आपसी सामाजिक चर्चाओं के माध्यम से समाज सुधार एवं संगठन की मजबूती के प्रयास भी होते है। आयोजन की सफलता पर सभी ने मुक्तकंठ से आयोजकों का आभार प्रकट करते हुए संत लिखमीदास का जयकारा लगाया। सामूहिक भोज में वेस्ट नहीं जाय उसका अभियान चलाया समाज गया।

महात्मा फुले बिग्रेड द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलनों में शादियों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का दिया संदेश

पावटा में 15 और कोटपुतली में 14 जोड़े जीवनसाथी बनें

पावटा। महात्मा फुले ब्रिगेड़ संस्था एवं ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज रजि. के संयुक्त तत्वावधान में सैनी समाज का नौवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 जनवरी को पावटा के राम मैरिज गार्डन मे आयोजित हुआ।

महात्मा फुले ब्रिगेड़ संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज रजि. के प्रदेशाध्यक्ष सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष रामसिंह सैनी समिति संरक्षक हनुमान सैनी, संयोजक जगदीश खेमजी कोटपूतली, उपाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश सैनी कराणा, मुख्य सचिव रामनिवास सैनी, हजारीलाल सैनी ,संगठन मंत्री सुरेश सैनी प्रागपुरा, अशोक कुमार सैनी थानागाजी, सलाहकार रामेश्वर सैनी ललाना, रामगोपाल सैनी विराट नगर का आदि समिति पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सैनी ,समारोह उद्घाटनकर्ता सभापति पुष्पा सैनी चौथमल सैनी चेयरमैन थानागाजी, सुमिता सैनी चेयरमैन विराटनगर, बंशीधर सैनी चेयरमैन शाहपुरा, विष्णु कुमार सैनी चेयरमैन चौमू, दीप प्रज्जवलित कर्ता संत श्री 1008 मोहनदास महाराज लीलकाधाम, मंगलदास महाराज टोरड़ा गुजरान, जानकीदास महाराज कोटपूतली, मुख्य प्रवक्ता अश्वल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार सैनी महात्मा फुले ब्रिगेड संरक्षक गुड्डू सैनी कार्यक्रम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सूरजमल सैनी, एमजेएफ ग्रुप चेयरमैन कैलाशराज सैनी, उद्योगपति नरेंद्र दत्त सैनी गुरुग्राम, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आजाद सैनी, ज्योतिराव फुले ट्रस्ट दिल्ली कार्यालय सचिव सत्यवीर सैनी, कार्यकारिणी सदस्य सूबेसिंह सैनी दिल्ली प्रदेश सचिव महात्मा फुले ब्रिगेड आरती सैनी, शाहपुरा पप्पू राम सैनी उपाध्यक्ष नारायणपुर, अलवर जिलाध्यक्ष नंदलाल सैन, डॉ विजय सैनी,अनिल कुमार सैनी चौमु, सहकारी समिति अध्यक्ष उपेंद्र सिंह शेखावत, ख्यालीराम सैनी, आढतियां रामेश्वर सैनी, पूर्व पार्षद मनोज कुमार सैनी विराटनगर, सैनी समाज अध्यक्ष पोखर मल सैनी आदि समाज के प्रबुद्धजन एवं अन्य समाजों के अतिथियों की उपस्थिति हुई। पधारे हुए अतिथियों का समिति सदस्यो द्वारा माला,साफा, दुपट्टा अतिथि सम्मान स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीयअध्यक्ष श्रीमान दिलबाग सिह ने कहा कि समिति द्वारा एक बहुत ही अच्छा कदम है फिजूलखर्ची रोकने का सराहनीय प्रयास है। सामूहिक विवाहों के आयोजन किए जाना समाज के लिए अच्छा कदम है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में समय की महत्ती आवश्यकता है। भारी दहेज, महंगाई एवं समाज के आर्थिक सामाजिक व समाज को संगठित कर एक सूत्र में कार्य करने की प्रेरणा धन एवं अमूल्य समय की बचत करने का सुनहरा अवसर प्रदान कराता है कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकुमार सैनी ने बताया की वर्तमान में शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है।समाज में बालिका शिक्षा पर जोर देने कि अपील की गई। समिति संरक्षक हनुमान सैनी ने समाज में फैली रूढ़िवादी कुरीतियों को रोकथाम हेतु मिटाने का आह्वान किया ! उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने अपने विचार प्रकट किए अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आर्शीवाद दिया ! समिति की ओर से सभी जोड़ों को घरेलु सामान उपलब्ध करवाया गया।

महात्मा फुले ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज प्रदेश अध्यक्ष सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष ने सभी दानवीर भामाशाह सहयोग करने के लिए आभार जताया। समिति सदस्य समाज बंधु कार्यकर्ताओं ने इस महायज्ञ में तन मन धन एवं जिम्मेदारीपूर्ण अपनी लगन और मेहनत से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा। सभी बंधुओ का बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

14 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

कोटपूतली। बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह सम्मेलन में 14 जोड़े हमसफर बने। महात्मा फुले ब्रिगेड़ संस्था एवं ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज रजि. के संयुक्त देखरेख में सैनी समाज का 9वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आज राम मैरिज गार्डन में अश्वल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सैनी के मुख्य आतिथ्य में संत श्री 1008 मोहनदास महाराज लीलकाधाम, मंगलदास महाराज टोरड़ा गुजरान, जानकीदास महाराज कोटपूतली द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। सभी जोड़ों को को समाज की ओर से घर के जरूरत की सभी वस्तुएं भेंट की गई। विवाह सम्मेलन में सैनी समाज के हजारों लोगों ने शिरकत की और वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष रामसिंह सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि कि सामुहिक विवाह जैसे आयोजन समाज को उन्नति की ओर अग्रसर करते है। इससे समाज में समरसता एवं एकता की भावना का विकास होता है। समिति संरक्षक हनुमान सैनी ने कहा कि कन्यादान जैसा संस्कार आयोजित करना सौभाग्य की बात है। सामूहिक विवाह आयोजन से फिजूलखर्ची पर रोक लगती है। साथ ही ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचता है। संयोजक जगदीश खेमजी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विवाह के अनावश्यक खर्चे का त्यागकर समाज के लोग एकत्रित होते हैं तथा आंनद से भाग लेते हैं। समिति सचिव रामनिवास सैनी ने कहा कि सामूहिक विवाह का यह कार्यक्रम समाज की सराहनीय पहल है। भाजपा नेता गुडडू सैनी ने कहा कि समाज के विकास के लिए राजनीतिक रूप से सक्षम बनने एवं मूर्ख बनाने वाली पार्टियों का दामन छोडकर सैनी समाज का उत्थान करने वाली पार्टी का दामन साधकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समिति कोषाध्यक्ष प्रह्लाद सैनी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी, हजारीलाल सैनी, संगठन मंत्री सुरेश सैनी, अध्यक्ष विराटनगर पोखरमल सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष विराटनगर देहात रामसिंह पाथराण, सलाहकार ब्लॉक अध्यक्ष पावटा रामेश्वर सैनी, सामूहिक विवाह समिति सदस्य पूर्व सरपंच गोकुल सैनी, सलाहकार पूर्व सरपंच देवकरण सैनी, संगठन मंत्री थानागाजी अशोक कुमार सैनी आदि ने अतिथियों का माला, साफा एवं महात्मा ज्योतिबा फुले का दुपट्टा भेंटकर अभिनंदन किया।

ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज द्वारा विभिन्न नव पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ ही समाज की राजनीतिज्ञ, सामाजिक जनजाग्रति हेतु कार्य योजना को दिया गया अंतिम रुप

गुरूग्राम। ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.) की प्रथम त्रैमासिक बैठक का आयोजन दिनांक 12 फरवरी, 2023 का आयोजन गुरुग्राम में किया गया। बैठक के लिए सभी पदाधिकारियों/ सदस्यों को अधिकृत पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित होने के लिए निजि रूप से दूरभाष पर आमन्त्रित करने का कार्य किया गया था। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अब की बार अनेकों नए कार्यकारिणी सदस्यों के शामिल होने के कारण सभी को ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.) के सविंधान, उद्देश्यों, लक्ष्यों, एवं कराए जाने वाले कार्यो को स्लाईड के माध्यम से बताने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही सभी को इसकी प्रिटिंड बुकलेट भी उपलब्ध कराई गई । इसके पश्चात आगामी तीन मास में कराए जाने वाले कार्यो की रूपरेखा के लिए निम्न अनुसार बैठक की कार्यवाही को अमल में लाया गया । बैठक का प्रारम्भ ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.) के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक चौ इन्द्राज सिंह सैनी, राष्ट्रीय कोर कमेटी के चौयरमेन दिनेश सैनी, राष्ट्रीय संरक्षक ग्यारसी लाल सैनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी, राष्ट्रीय सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सयोंजक ताराचन्द सैनी, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा कमलेश सैनी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष प्रदीप सैनी इत्यादि द्वारा पुष्प अर्पित करके व सामाजिक कान्ति के अग्रदुत महात्मा ज्योतिराव फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया किया गया । इसके साथ ही उपरोक्त सभी के अलावा कोर कमेटी के सदस्य - श्रीपाल सैनी का स्वागत किया गया ।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को बाटें गए नियुक्त पत्र : इस अवसर पर संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी द्वारा ताराचन्द गहलोत - राजस्थान को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरभजन सैनी - पंजाब, सूरजमल सैनी - राजस्थान, अनिल सैनी - उतराखड, सदीप नाईक - महाराष्ट्र, विरेन्द्र सैनी- उप्र, खेमचन्द सैनी व इन्द्रा सैनी - दिल्ली, गुरनाम सैनी गजलाना - हरियाणा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजकुमार सैनी को राष्ट्रीय महामंत्री, आजाद सैनी - दिल्ली को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राधेश्याम सैनी - हरियाणा को राष्ट्रीय कार्यालय सचिव राजीव सैनी को राष्ट्रीय सह-कार्यालय सचिव, रेखा सैनी - हरियाणा को राष्ट्रीय महासचिव प्रमोद सैनी - उतराखड, चरणसिंह सैनी - उद्प्रद्, मोनिका सैनी - हरियाणा को राष्ट्रीय सह-सचिव, एमएलद्रसीद् रामेश्वर महतो- बिहार, जगदीश सैनी गुडडु - राजस्थान, संजीव सैनी - हरियाणा, पीद्रएमद्रसैनी - महाराष्ट्र को राष्ट्रीय संगठन सचिव, कुलदीप सैनी - चण्डीगढ, हिम्मत सिंह सैनी - पंजाब, नरेश सैनी - दिल्ली, देवेन्द्र सैनी - हरियाणा, आईदान भाटी - राजस्थान, विशेष आमंत्रित सदस्य सुजाता इलवे - महाराष्ट्र को राष्ट्रीय सचिव, हिशम सिंह सैनी - हरियाणा को राष्ट्रीय सांस्कृतिक सचिव, तेजपाल सैनी - उप्र को राष्ट्रीय कल्याण सचिव नरेन्द्र सैनी को सदस्य राष्ट्रीय सलाहकार समिति की जिम्मेवारी सौपीं गई।

वहीं प्रदेशों में संगठन कार्य को संचालित करने के लिए पश्चिमी राजस्थान के लिए सेवाराम दग्दी उतरप्रदेश के लिए ओमपाल सैनी, उतराखण्ड के लिए नरेश सैनी, बिहार के लिए संजय मालाकार को प्रदेश अध्यक्ष, अशुंल सैनी - हरियाणा, अजय सैनी - पश्चिमी राजस्थान को युवा प्रदेश अध्यक्ष, बबीता सैनी-उप्र, नीलम सैनी-हरियाणा को महिला प्रदेश अध्यक्षा के लिए नियुक्ति प्रदान की गई।

प्रोजेक्टर के माध्यम से संगठन के सविधान व कार्ययोजना से सभी को कराया परिचित । इस अवसर पर बैठक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने सभी के समक्ष प्रोजेक्टर के माध्यम से संगठन के सविधान, उदेश्यों, कार्ययोजनाओं, पदाधिकारियों के कार्य इत्यादि को विस्तार से स्लाईड के माध्यम से नवनियुक्त पदाधिकारियों व सदस्यों को संगठन से सम्बधिंत जानकारी दी ।

बैठक के मुख्य बिन्दु : बैठक में राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए शंखनाद करते हुए राजस्थान प्रदेश के सभी पदाधिकारियों व प्रदेश अध्यक्षों को इसके लिए रूपरेखा तैयार करने व विधानसभावार संख्या व समाज का डाटा, प्रत्याशियों की सूचना इकट्ठा करके एक मास के दौरान सौंपने का कार्य सौंपा । जिसके पश्चात प्राप्त रिपोर्ट आधार समाज के विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर योजना तैयार करके इसी सदर्भ में अगली त्रैमासिक बैठक का आयोजन भी राजस्थान के पुष्कर में करने की घोषणा की गई।

वर्ष 2024 में लोकसभा व हरियाणा इत्यादि राज्यों के विधानसभा चुनावों को देखते हुए सभी सम्बधिंत राज्यों को उनके प्रदेशों में समाज के अन्य संगठनो को साथ लेकर जल्दी ही बैठक का आयोजन करके एक मास के अन्दर रूपरेखा तैयार करके रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यकारिणी को भेजें। सभी से सदस्यता को बढाने का आग्रह किया गया, इसी निरन्तरता में सभी पदाधिकारयों को अगले तीन मास में कम से कम 10 आजीवन सदस्य कराने का लक्ष्य सौंपा गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने धन्यवाद भाषण में नवनियुक्त पदाधिकारियों को लगाई गई जिम्मेवारी अनुसार समय न दे सकने या कार्य न कर सकने पर अन्य सदस्यों को मौका देने की बात भी कह।

बैठक में समाज के आर्थिक उत्थान के प्रयास का लक्ष्य लेते हुए समाज के व्यापार जगत से जुडे लोगों को एकजुट करने व व्यापार प्रकोष्ठ का गठन करते हुए समाज के लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने में सहायता का लक्ष्य भी रखा गया। जिस पर राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक चौधरी इन्द्राज सिंह सैनी ने अपने अभिभाषण में विशेष जोर दिया। उन्होंने दिल्ली में जल्दी ही समाज को जागृत करने को लेकर रथयात्रा निकालने की जानकारी भी सभी को दी ।

बैठक में सभी को बच्चों की बोर्ड परीक्षाओं के पश्चात तुरन्त बाद उनके लिए केरियर काउसलिंग सेमिनार के आयोजन, बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित करने व आर्थिक रूप कमजोर परन्तु प्रतिभावान बच्चों की पहचान करके शैक्षिक रूप से गोद लेने का लक्ष्य व रिपोर्ट बनाकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी को सौंपने के

लिए कहा गया ताकि 10वीं व 12वीं कक्षा में 70 से 80 प्रतिशत तक के बच्चों को जिला स्तर पर 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत वालों को राज्य स्तर पर व 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जा सके ।

इस दौरान वर्तमान में समाज से बच्चों की बढ़ रही दूरी को देखते हुए बच्चों को संस्कारवान बनाने, विवाह पश्चात होने वाली सम्बंध विच्छेदन की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करने का कार्य भी सौंपा गया । इसके साथ ही समाज की ईमारतों/ धर्मशालाओं में शादी विवाह के लिए अविवाहित युवक/युवतियों का डाटा संकलित करने के लिए एक रजिस्टर प्रारम्भ करने का कार्य भी सौंपा। विभिन्न प्रदेशों से पदाधिकारियों के साथ प्रथम बार आए अनेकों लोगों ने संगठन की कार्यशैली से प्रभावित होकर बैठक के तुरन्त पश्चात संगठन सदस्यता को ग्रहण किया ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिलबाग सिंह सैनी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए सभी से पूरी निष्ठा के साथ पदों की जिम्मेवारी का निर्वहन करते हुए सहयोग करने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होने कहा – जिन लोगों को पद नहीं मिल पाए हैं वो निराश न हो, सभी को इस कार्यकाल में कार्य करने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो पदाधिकारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में समय नहीं दे सकते वो समय से पहले ही बता सकते हैं ताकि अन्य को जिम्मेवारी दी जा सकें । लगातार बैठकों में अनुपस्थित रहने/ समय न दे सकने वाले पदाधिकारियों/सदस्यों के स्थान पर अन्य को सहयोग के लिए अवसर प्रदान किया जा सकता है। संगठन कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से चलाने के लिए दिल्ली से ताराचन्द सैनी को राष्ट्रीय सलाहकार समिति का राष्ट्रीय सर्वोजक बनाते हुए संगठन कार्यप्रणाली में उनके अनुभव का लाभ लेते हुए आवश्यक प्रस्ताव बनाने का आग्रह किया गया ।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए उत्तरप्रदेश से पूर्व एम.एल.सी. व सम्पल से पूर्व लोकसभा उम्मीदवार परमेश्वरी लाल सैनी के अलावा बिहार से पूर्व में एक मंत्री के सुपुत्र भी उपस्थित रहे व उन्होने भी संगठन की सदस्यता को ग्रहण किया। बैठक में उपस्थित न हो सकने के लिए कुछ पदाधिकारियों ने अपने स्वास्थ्य परिवार में अप्रिय घटना/ विवाह के कारणों को दर्ज कराया जिसे रिकॉर्ड में रख लिया गया है। बैठक के पश्चात सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।

महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान राजस्थान की बैठक संपन्न

बेंगलूर। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान जयपुर के तत्वावधान में माली (सैनी) समाज बेंगलुरु की बैठक एवं स्नेह भोज का नायन्डहल्ली स्थित एम.आर. कन्वेंशन हॉल में आयोजित हुआ, कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद सैनी ने की। इस अवसर पर सैनी ने संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था शहर एवं ग्रामीण इलाकों के प्रत्येक अशिक्षित स्त्री,पुरुषों,बालक बालिकाओं को शिक्षित बनाना, स्वास्थ्य सेवा,पर्यवरण के प्रति जागरूकता फैलाना, माली (सैनी) समाज के श्रमिकों,वृद्धों,निर्धनों के सम्पूर्ण विकास हेतु शिक्षा,रोजगार,स्वास्थ्य,नैतिक उत्थान हेतु कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर माली (सैनी) समाज कर्नाटक बेंगलुरु के संरक्षक एवं उद्योगपति घनश्याम सांखला ने कहा की संस्था द्वारा जयपुर में निर्माणाधीन समाजोपयोगी भवन की जानकारी प्रदान की, उन्होंने कहा कि इस भवन में वृद्धाश्रम, बालिका ,बालिकाओं के अलग अलग छात्रावास, सभागार,प्रदर्शनी स्थल, शारिरिक व्यायाम स्थल, पुस्कालय एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया जाएगा अत: उन्होंने उपस्थित समाज बन्धुओ एवं भामाशाहों से इस सेवा कार्य मे तन, मन, धन से जुड़ने का आह्वान किया, कार्यक्रम को माली (सैनी) समाज कर्नाटक बेंगलुरु के अध्यक्ष सज्जनराज सांखला, समाजसेवी दिनेश चोहान ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर अनेक समाज बन्धु संस्था के आजीवन सदस्य बने, कार्यक्रम में प्रकाश तँवर, सोहनलाल सांखला, उत्तम पँवार, तेजाराम चौहान, जवराराम सोलंकी, उकाराम सुंदेशा, रामेश्वरलाल सोलंकी, कालूराम बागड़ी, सुखराज चौहान , नरेश चौहान सहित माली (सैनी) समाज बेंगलुरु की सभी संस्थाओं के विशिष्ट बन्धु उपस्थित रहे !

कार्यक्रम का सफल संचालन रूपेश सोलंकी ने सफलतापूर्वक किया !

समाजसेवी भामाशाह लक्ष्मण सिंह सांखला ने अपनी बेटी मोनिका की शादी में जो डेकोरेशन व भोजन बनाया, वहीं पूजा के विवाह में भी रखा

श्रमिक की बेटी का विवाह करवाया : मैरिज पैलेस, गीत-संगीत लाईट-टेंट, भोजन और विदाई तक का पूरा इंतजाम किया

अनेकों संस्थाओं को आर्थिक सहयोग के साथ ही मण्डोर क्षेत्र में रावण दहन की परंपरा की शुरूआत करने वाले लक्ष्मण सिंह सांखला

जोधपुर। भामा ााह समाजसेवी लक्ष्मण सिंह सांखला उर्फ बबलू सा ने अपनी बेटी की शादी के मौके पर एक मजदूर की बेटी को अपनी बेटी बना धूमधाम से ना केवल विवाह करवाया, बारात के स्वागत से लेकर विदाई तक में हर चीज का इंतजाम कर बेटी को उसके ससुराल खुशी-खुशी विदा किया।

पहाड़िया बेरा निवासी समाजसेवी लक्ष्मणसिंह सांखला की पुत्री मोनिका की शादी 21 फरवरी को नयापुरा निवासी नितेश गहलोत से हुई। बेटी की शादी की तारीख से दस दिन पहले उनके चार-पांच मित्र आए और बताया कि गणेशपुरा में रहने वाला एक परिवार ऐसा भी है, जिसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और उस बच्ची की 22 फरवरी को शादी करवानी है। लक्ष्मणसिंह ने बिना सोचे तुरंत सहमति दे दी और मंडोर गोकुलजी की प्याऊ माजीसा मंदिर के निकट नारायण पैलेस एंड रिसोर्ट में पूजा का विवाह ओसियां से बारात लेकर आए सुनीलदास के संग धूमधाम से करवाया।

इसके लिए उन्होंने मैरिज पैलेस, गीत-संगीत, लाइट टेंट और 600 से 700 मेहमानों के भोजन की व्यवस्था के साथ विदाई तक का पूरा इंतजाम कर दिया। खासबात यह है कि खुद की बेटी की शादी में होने कारण वे इस शादी में शरीक नहीं हो सके, लेकिन मोबाइल से फेरे देखे और वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

इस विवाह समारोह की खासियत यह थी कि इसमें पूजा के पिता की इच्छा का भी पूरा ख्याल रखा गया और वधु पक्ष, रिश्तेदारों व मेहमानों ने पूजा को उपहार व घरेलू जरूरत का सामान व आभूषण आदि अपनी तरफ से दिए। लक्ष्मणसिंह बताते हैं कि उनके लिए जिस तरह से मोनिका बेटी है। वैसे ही पूजा भी उनकी बेटी है। इसलिए पूजा के विवाह में भी वहीं भोजन और मिष्ठान बनवाया। जो मोनिका के विवाह में था। स्टेज, लाइट टेंट और फ्लश्वर का डेकोरेशन भी एक सा रखा।

बबलुसा मंडोर नारायण सेवा समिति की टीम से भी जुड़े है। यह समिति वर्ष में एक बार नि: शुल्क विवाह का आयोजन आर्थिक स्थिति से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए करते हुए पूरा खर्च उठाती है। मण्डोर क्षेत्र में कुछ वर्षो पहले रावण दहन का भी आयोजन शुरू किया गया जो अब हर वर्ष आयोजित होने लगा है। रावण दहन से पूर्व क्षेत्र में बकायदा राम दरबार, अखाड़ों के साथ ही धार्मिक एवं सामाजिक झांकियां भी निकाली जाती है जिसमें क्षेत्र के हजारों लोगों सम्मलित होते है। यहीं नहीं हर माह जरूरतमंदों को कपड़ों के वितरण के साथ कई तरह के सामाजिक व सेवाभावी कार्य कर छतीस कौम के लोगों की मदद के लिए भी हमे ा सक्रिय रहती है। समाज के सभी वर्गो के साथ सामाजिक संस्थाओं प्रबुद्धजनों ने बबलू सा का इस पुनीत सेवा कार्य के लिए आभार प्रकट करते हुए अभिनंदन किया है।

समाज के 2 वीर जवानों के अदम्य साहस वीरता पर किया जाएगा सम्मानित

जबलपुर। उत्तराखंड के दो जांबाज सपूतों को मिला सेना मेडल, मध्य प्रदेश में आठ फरवरी को किया गया सम्मानित। हरिद्वार निवासी हवलदार शहीद सोनित कुमार सैनी को यह सम्मान मरणोपरांत मिला। जबकि, हवलदार भूपेंद्र चंद को अदम्य साहस का परिचय देने के लिए सेना मेडल से सम्मानित किया गया। उत्तराखंड के दो जांबाज सपूतों को सेना की मध्य कमान की ओर से सेना मेडल से सम्मानित किया। हरिद्वार निवासी हवलदार शहीद सोनित कुमार सैनी को यह सम्मान मरणोपरांत मिला। जबकि, कुमाऊं रेजिमेंट के हवलदार भूपेंद्र चंद को अदम्य साहस का परिचय देने के लिए सेना मेडल से सम्मानित किया गया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, मध्य कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी द्वारा जबलपुर में मध्य कमान के अलंकरण समारोह में भारतीय सेना के 12 अधिकारियों, सैन्यकर्मियों को वीरता पुरस्कार, 22 विशिष्ट सेवा पुरस्कार और 16 जीओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा के साथ चार सूर्य कमांड ट्रॉफी प्रदान की।

अपनी कुर्बानी देकर बचाई थी सात जवानों की जिंदगी : सेना के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि हरिद्वार निवासी हवलदार सोनित कुमार सैनी जम्मू-कश्मीर के पूर्वी सेक्टर में ऑपरेशन चौका के लिए हाई एल्टीट्यूड एरिया में प्लांट इक्विपमेंट प्रोजेक्ट में वाहन चलाते थे। 24 सितंबर 2021 को जेसीबी से लदा वाहन एक अंधे मोड़ की ओर आ रहा था। रास्ते में एक कार भी खड़ी थी। तभी वहां तैनात हवलदार सोनित कुमार सैनी ने देखा कि सात जवानों को लेकर जा रहा एक सैन्य वाहन खड़ी ढलान पर इन दोनों वाहनों के बीच फंस गया। जान की परवाह न करते हुए सोनित ने अपने साथी जवान नायक गुरजंट सिंह के साथ अपना वाहन सेना के दूसरे वाहन से दूर 500 फीट गहरी खाई की ओर मोड़ दिया। उनके इस निर्णय से सातों जवानों की जिंदगी तो बच गई। लेकिन, उनका वाहन गहरी खाई में गिरने से सोनित कुमार सैनी और गुरजंट सिंह शहीद हो गए।

भूपेंद्र चंद सैनी ने नाकाम किया था आतंकी हमला : राष्ट्रीय राइफल्स की 13वीं बटालियन में तैनात कुमाऊं रेजिमेंट के हवलदार भूपेंद्र चंद को भी सेना मेडल से सम्मानित किया जा रहा है। ऊधमसिंह नगर निवासी भूपेंद्र चंद क्शम्बैट एक्शन टीम के साथ 11 अक्तूबर 2021 की रात गांदरबल जिले में ड्यूटी पर थे। सुबह साढ़े चार बजे आतंकवादियों ने खुले में तैनात सैनिकों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सेना ने जवाबी फायरिंग की तो आतंकवादी भाग निकले। लेकिन, हवलदार भूपेंद्र चंद ने फायरिंग कर भाग रहे आतंकवादियों का न सिर्फ सामना किया बल्कि अदम्य साहस से हमला विफल कर दिया। इस अदम्य साहस को देखते हुए उन्हें सेना मेडल से सम्मानित किया जा रहा है। हमें समाज के वीर जवानों पर गर्व है आपने देश के साथ माता पिता और समाज को गौरवान्वित किया है।

जोधपुर खरगोश को बचाने से शुरू हुआ युद्ध :

राव हेमा ने 500 सैनिकों के साथ तुर्कों को हराकर मंडोर को आजाद कराया, इसी खुशी में निकलती है गेर

जोधपुर। मंडोर को तुर्कों से आजाद करवाने और गरीबों को विदेशी आक्रांताओं की लगान वसूली से मुक्ति दिलाने वाले वीर राव हेमा गहलोत की याद 630 साल से मंडोर में रावजी गेर निकालने की परंपरा आज भी चली आ रही है। इस गेर को निकालने के पीछे मुख्य कारण सिर्फ एक खरगोश था। जिसे कुचेरा के राणा जयसिंह ने शिकार कर घायल कर दिया था और वो खरगोश राव हेमा की माताजी गवरी देवी की गोद में भागकर आ गया। घायल और ऊपर से शरण में आए जीव को बचाने के लिए क्षत्राणी ने खरगोश को राणा व उसके सैनिकों को देने से इंकार कर दिया। जब सैनिकों ने राव हेमा की मां पर तलवार निकाली तो राव हेमा ने भी तलवार निकाल उनके सामने हो गए। जब इस बात का पता बालेसर के इंदा राणा उगमसिंह प्रतिहार को लगा तो उन्होंने राव हेमा की वीरता को देखकर उन्हें तुर्कों से मंडोर को मुक्त करवाने के लिए मंडोर का प्रधान बनाकर 12 मार्च 1389 को कुचेरा से मंडोर बुलाया। यही पर राव हेमा ने अपने सैनिकों के साथ मिल तुर्कों को युद्ध में हरा मंडोर पर विजय पताका फहराई थी।

इसलिए राव पहनते हैं फूल पत्ते जब गुजरात का सूबेदार जाफर खां मंडोर व नागौर का मुख्तयार बना तो उसने ऐबक खां को मंडोर का हाकिम नियुक्त कर दिया। निरंकुश ऐबक खां ने अपनी सेना में शामिल घोड़ों के लिए मंडोर और आसपास के क्षेत्रों में रहने वालों व जागीरदारों से लगान के रूप में 100 बैलगाड़ी हरा चारा मांगा। पहले से ही लगान की मार झेल रहे किसानों ने मना कर दिया तो ऐबक ने जबरदस्ती की। तब राव हेमा ने अपनी चतुराई का परिचय देते हुए आसपास के गांवों से 500 जंगी योद्धाओं की फौज तैयार की और 100 बैलगाड़ी में हर बैलगाड़ी में चार सैनिक घास में छुपाकर और 100 बैल हांकने वाले बनाकर भेजा। इनके साथ हथियारों को फूल-पत्तियों से ऐसा ढंककर भेजा कि पता भी नहीं चला। जब बैलगाडियां मंडोर पहुंची तो राव हेमा ने कहा मुजरा लायक घास लाए हैं तो ऐबक के भांजे ने एक गाड़ी में अपना भाला डाला जो एक योद्धा की जांघ में लगा। घायल योद्धा ने घास में तुरंत अपने कपड़े से खून साफ किया। ऐबक समझा कि घास गहरी है और बैलगाड़ियों को मंडोर में प्रवेश दे दिया।

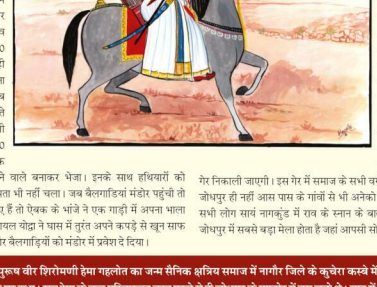

अंदर पहुंचते ही, आयो लड़णो फतह कर दो... के नारे के साथ तुर्कों को एक-एक कर मार दिया और शेष को भगाकर आजाद करवाया। इसके बाद इंदा परिहार ने अपनी राजकुमारी का विवाह राव चूंडा से कर मंडोर उपहार में दे दिया। तत्पश्चात राव हेमा ने राव चूंडा का राजतिलक कर उन्हें गद्दी पर बिठाया। राव चूंडा ने 8 दिसंबर 1392 को इकरार के तहत मंडोर से लेकर सालोड़ी तक की जमीन राव हेमा गहलोत को कृषि भूमि दे दी।

होली के अगले दिन निकालते हैं गेर

तुर्कों को हराने की खुशी में रावजी की गेर निकालने की परंपरा है। मंडोर में रहने वाले सभी गहलोत सैनिक वीर शिरोमणि राव हेमा के वंशज है। यह गेर मंडोर के खोखरिया बेरा से शुरू होकर मंडावता बेरा, गोपी का बेरा, बड़ा बेरा, फूलबाग बेरा, फतेहबाग, आमली बेरा, भलावता बेरा से मंडोर काला-गोरा भैरूजी मंदिर के पास नागकुंड तक निकाली जाती है।

गेर में इन बेरों से हुआ बदलाव : दंत कथाओं के अनुसार राव बनने का अधिकार गोपी का बेरा को था। फिर फूलबाग बेरा को प्राप्त हुआ। अब खोखरिया बेरा के नव विवाहित गहलोत वंशीय युवक को आमली बेरा के बुजुर्ग छापा लगाकर एक दिन का राव बनाते हैं। इसमें राव की रक्षा का जिम्मा मंडावता बेरा वाले करते हैं, जबकि नागकुंड की रक्षा गोपी बेरा, बड़ा बेरा, आमली बेरा, भियाली बेरा, पदाला बेरा, नागौरी बेरा वाले करते हैं। जो गेर में मुख्य भूमिका में ढोल-चंग की थाप, पांव में घुघरे पहन फागण गाते नाचते हुए नागकुंड तक पहुंचते हैं। यहां आकर एक दिन का राव स्नान करता है। इस बार 631वीं बार यह गेर निकाली जाएगी। इस गेर में समाज के सभी वर्गो के हजारों लोगों का हजूम उमड़ता है तथा जोधपुर ही नहीं आस पास के गांवों से भी अनेको समाज बंधु गेर लेकर आते है नाचते झूमते सभी लोग सायं नागकुंड में राव के स्नान के बाद विसर्जित होते है। यह हमारे समाज की जोधपुर में सबसे बड़ा मेला होता है जहां आपसी सोहार्द एवं एकता का बड़ा प्रदर्शन होता है।

संक्षिप्त जीवन परिचय : इतिहास पुरूष वीर शिरोमणी हेमा गहलोत का जन्म सैनिक क्षत्रिय समाज में नागौर जिले के कुचेरा कस्बे में पिता पदमराव गहलोत व माता श्रीमती गंवरीदेवी ;पुत्री प्रेमजी सोलंकीद्ध के घर हुआ। राव हेमा के कुछ परिवारजन बहुत पहले से ही जोधपुर के मण्डोर में बस चुके थे। बाद में राव हेमा के परिवार के लोग भी मण्डोर आकर बस गये। वीर हेमा गहलोत की शादी पार्वती देवड़ा ;पुत्री रामीजी देवड़ाद्ध के साथ हुआ। राव हेमा के जन्म एवं मृत्यु की तिथि का उल्लेख न तो राव-भाटों की बही में मिलता है, और न ही कहीं ऐतिहासिक जानकारी। इतिहास में दर्ज जानकारी के अनुसार वीर शिरोमणी राव हेमा की मृत्यु मण्डोर के प्रथम शासक राव चुड़ा के समय हुई बताते है। वीर शिरोमणी राव हेमा की उदारता, त्याग, वीरता, निर्भिकता उच्चकोटि की थी, राव हेमा की वीरता व पुरूषार्थ के कारण मण्डोर को आजादी मिली और हिन्दू राज्य की स्थापना हुई। ऐसे वीर सूपत की वीरता के प्रतीक रूप में जोधपुर के मण्डोर में प्रतिवर्ष होली के दूसरे दिन वीर हेमा राव महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

सैनिक क्षत्रिय वीर राव हेमा गहलोत के लिए इतिहास में विभिन्न ख्यात दर्ज हैं-

'हेम तुरकाणी तोड़ हिन्दवाणी करी राव चूड़ाजी ने तिलक दीन्हों हेमजी धोड़ा जोत गुडवेल दान दीना गढ मंडोवर के बेडे राव चूड़ा जी के वारे''

'हेम तुरकाण तौड़ हिन्दवाण कीया गढ पलट कीया राव चूड़ा ने तिलक दीयौ धोडा जोत गुडबैल दान दीन्हीं गढ मंडोवर के बेडे राव चूड़ा के वारे''

'हेम पदम के धोडा जोत ने धुडैहल दान दीन्हों तुरकाणी सु हिन्दवाणी कीन्ही गढ पलट राव चूडा ने तिलक दीन्हों बेडे।

ऐसे पराक्रमी वीर यो)ा के विजय जुलुस के रूप में जोधपुर के मण्डोर में निकलने वाली राव गैर पूरे राजस्थान में प्रसि) है। राव हेमा गहलोत की वीरता हमारे लिए आदर्श है।

सैनी समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

27 जोड़ों में बनी आपसी सहमति अप्रैल में होगा 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह

मथुरा। महात्मा ज्योति राव फूले विकास समिति मथुरा द्वारा सैनी धर्मशाला और राजा बलि टीला जनरल गंज मथुरा में सामूहिक विवाह के आयोजन हेतु सैनी समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित वर पक्ष एवं कन्या पक्ष व आयोजकों ने महात्मा ज्योतिराव फूले एवं माता सावित्रीबाई फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तत्पश्चात एक दूसरे से परिचय कराया गया और विवाह हेतु परिचय सम्मेलन में 27 युवक-युवतियों ने शादी हेतु आपसी रजामंदी से स्वीकृति के साथ आवेदन किया।

समिति अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि 10 फरवरी तक विवाह योग्य युवक-युवतियों के आवेदन लिए गए। आपसी सहमति के बाद सभी जोड़ों का विवाह महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती के उपलक्ष में 11 अप्रैल 2023 को सामूहिक विवाह समारोह में कराया जाएगा। इस मौके पर घनश्याम सैनी राम भरोसी चांदी वाले नत्थी लाल सैनी, कन्हैया लाल सैनी फर्नीचर वाले राजकुमार सैनी, राधेश्याम सैनी, हरीश सैनी, दीवान सिंह सैनी, खैर वाले करण सिंह सैनी, विमला सैनी, कमलेश सैनी, रजनी सैनी, सावित्री सैनी, माया सैनी, प्रीति सैनी, बबीता सैनी, ओमपाल सैनी, रामकुमार सैनी, मिथिलेश सैनी, बबलू सैनी, पल्लवी सैनी, मुकेश सैनी, अनिल सैनी, रामदेवी सैनी, मीरा सैनी, नरेश सैनी, गिरीश सैनी आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में लिए कई प्रमुख निर्णय

बोलिया जिला मंदसौर। फूलमाली सोशल ग्रुप मध्य प्रदेश एवं फूलमाली महापंचायत के तत्वाधान में आयोजित फूलमाली समाज का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन समाज धर्मशाला बोलिया जिला मंदसौर में संपन्न हुआ।।

बैठक में प्रदेश स्तर पर फूलमाली समाज को मजबूत करने के लिए फूलमाली महापंचायत प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट हरिनारायण माली भोपाल एवं सोशल ग्रुप प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पुष्पद पचोर द्वसरपंचद्ध द्वारा 'एक झंडा -एक बैनर, एक समाज- एक नियम' का नारा देकर फूलमाली महापंचायत का प्रदेश से जिला एवं नगरीय निकाय का गठन करने का निर्णय लिया गया, जिसका उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने स्वागत किया। साथ ही अखिल भारतीय फूलमाली समाज धर्मशाला उज्जैन के संरक्षक रोड़ीराम पुष्पद खुजनेर एवं धर्मशाला सचिव राजेंद्र सुमन बोड़ा द्धपटवारी जीद्ध ने उज्जैन में बन रही फूलमाली समाज की विशाल धर्मशाला के लिए सहयोग राशि देने की अपील समाज बंधुओं के समक्ष की। जिसका 2028 तक प्रथम चरण के निर्माण का लक्ष्य समाज बंधुओं के समक्ष रखा। बैठक में वरिष्ठ एवं युवा समाज बंधुओं ने समाज को एकजुट व शिक्षा के प्रति सजग होने की बात रखी।

बैठक में मुख्य रूप से मूल्की पंचायत मध्य प्रदेश- राजस्थान, चौखरा पंचायत मंदसौर क्षेत्र सहित सीहोर जिला, आगर जिला, राजगढ़ जिला, मंदसौर जिला, शाजापुर जिला, भोपाल जिला, बारां सहित झालावाड़ जिले राजस्थान के समाज बंधु उपस्थित रहे।

प्रियंवदा चौहान बनी मिस केएन

जोधपुर। केएन कॉलिज में आयोजित मिस केएन प्रतियोगिता में समाज की बेटी ने जिता मिस केएन खिताब। आयोजन में एक और जहां प्रतिभागी पेस्टर्न एवं ट्रेडिशनल लुक में दिखाई दे रहीं थी तो रैंप के सामने बैठी सैकड़ों गर्ल्स हूटिंग कर रही थी। के.एन छात्र संघ की ओर से आयोजित कल्चरल फेस्टिवल आव्हान 2023 के मिस केएन सलेक्शन का। चार राउंड हुए और हर पायदान पर खरी उतरने के बाद मिस केएन का खिताब मिला वाइट ड्रॉ में बार्बी डॉल जैसी सजी प्रियंवदा चौहान को। जोधपुर की कमला नेहरु कॉलिज में चार साल बाद यह प्रतियोगिता आयोजित हुई इसलिए छात्राओं ने भाग भी जोरशोर से लिया। प्रियंवदा के नाना जितेन्द्र जालोरी ने बताया कि पढ़ने में सदैव अग्रणीय रही है उसने हैप्पी आवर्स स्कूल से प्रथम श्रेणी से हायर सेकंडरी पास की। ओर इन दिनों के एन कालेज में प्रथम वर्ष के साथ सीए की तैयारी में जुटी हुई थी। प्रियंवदा को इस उपलब्धि पर माता पिता के साथ ही अनेकों प्रबुद्धजनों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामाएं प्रेशित की।

कृष्ण कुमार सैनी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पदयात्रा

हरियाणा। इरादे मजबूत और हौसलें बुलंद हो तो कठिन रास्ते भी आसान लगते है। अपने इन्हीं मजबूत इरादों और बुलंद हौसलों की बदलौत जिले के एक युवा ने नया इतिहास रच दिया है। हरियाणा निवासी ष्ण कुमार सैनी ने कन्याकुमारी से कश्मीर लगभग 3600 किमी का सफर 50 दिन में तय किया है। इसके साथ ही वे कन्याकुमारी से कश्मीर पैदल सबसे कम समय में तय करने वाले शख्स बन गए है।

अपनी यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए सैनी ने बताया कि 5 जनवरी को कन्याकुमारी स्थित महात्मा गांधी स्मारक से अपनी पदयात्रा की शुरुवात की थी और 24 फरवरी को श्रीनगर के लाल चौक पहुंचकर संपन्न की। उन्होंने 12 राज्यों से गुजरकर 36 सौ किमी का सफर तय करते हुए 50 दिन 04 घंटे में अपनी पदयात्रा पूरी की है। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" नारे के साथ उन्होंने यह पदयात्रा की है।

हरियाणा के यमुनानगर जिले के खेड़की ब्राह्मण निवासी ष्ण सैनी ने बताया कि उनकी पदयात्रा 12 राज्यों होते हुए 3700 किमी. का सफर तय किया। इस दौरान एक टीम भी उनके साथ चल रही थी, जिन्होंने पदयात्रा के दौरान उनकी मदद की।

सैनी ने बताया कि उन्होंने इससे पहले भी तीन माह में 3 पदयात्राएं की। इसमें 12-13 जून 2022 को 26 घंटे 44 मिनट में 140.6 किमी की नश्चन स्टश्चप पदयात्रा, 1 से 11 जुलाई तक 10 दिन में 603.5 किलोमीटर और 16 दिन में 1094.54 किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा शामिल हैं। उनकी तीनों पदयात्राएं इंडिया बुक अश्चफ रिकश्चर्ड में दर्ज हैं।

पदयात्रा के मकसद के बारे में सैनी ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत "एक भारत श्रेष्ठ भारत" नारे के साथ उन्होंने अपनी पदयात्रा की है। उन्होंने

कहा कि दुनिया में भारत एक है और सर्वश्रेष्ठ भी है। भारत जिस तरह अपने गौरवशाली इतिहास और वैभवशाली परंपराओं के साथ विकास की राह पर निरंतर अग्रसर है, कुछ विदेशी ताकतों और पड़ोसी मुल्कों को यह रास नहीं आ रहा है। ये अक्सर भारत को नीचा दिखाने की फिराक में लगे रहते हैं। सैनी ने कहा कि वे अपनी पदयात्रा के माध्यम से ऐसे लोगों को बताना चाहते है कि भारत ऐसे लोगों से डरने वाला नहीं है। भारत सरकार और यहां के युवा ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

उनके लिए ये पदयात्रा कई मायनों में अहम है। इस दौरान उन्हें अलग-अलग राज्यों का भ्रमण करने, वहां के लोगों को करीब से समझने और उनकी भाषा, संस्ति और परंपराओं को जानने का अच्छा मौका मिला है। इस दौरान 50 दिन की पदयात्रा में कई ऐसे मौके आए जो उनके जीवन में यादगार बन गए। सबसे अहम सीख उन्हें ये मिली कि किसी भी काम की सफलता के लिए ढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है। पदयात्रा के दौरान कई ऐसे मौके आए जब उन्हें लगा कि अब उनके लिए इसे समय पर पूरा करना संभव नहीं होगा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपनी ढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत वे इसे समय पर पूरा करने में सफल रहे।

सैनी ने बताया कि अब वे जल्द ही अपनी पदयात्रा से जुड़े दस्तावेज गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड और इंडिया बुक अश्चफ रिकश्चर्ड को भेजने वाले हैं यदि सब कुछ ठीक रहा तो ये रिकश्चर्ड उनके नाम दर्ज हो सकता हैं। फिलहाल ये रिकश्चर्ड नौसेना के दो अधिकारियों के नाम दर्ज हैं उन्होंने पिछले साल ही 52 दिन में इसे पूरा कर यह गिनीज वर्ल्ड रिकश्चर्ड बनाया हैं सैनी ने बताया कि उनकी पदयात्रा की स्टार्टिंग और एंडिंग बहुत चौलेंजिग रही। कन्याकुमारी से जब उन्होंने पदयात्रा शुरू की उस समय ठंड के मौसम के बावजूद भी भारी उमस का सामना करना पड़ा, हालात ऐसे बने कि गर्मी से बचने के लिए 3 दिन रात में भी पदयात्रा करनी पड़ी। शुरुआती दिनों में खान-पान को लेकर भी भारी परेशानी झेलनी पड़ी। वही एंडिंग के दौरान भूस्खल के कारण रास्ते जाम होना उनके लिए बड़ा चौलेंजिग रहा।

सैनी ने इस दौरान भारतीय सेना की भी जमकर तारीफ की, उन्होंने कहा कि जम्मू से श्रीनगर तक सेना के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात हैं। ताकि सैलानी बिना किसी डर के कश्मीर की यात्रा का लुत्फ उठा सकें द्य अपने साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सेना के जवानों की सूझबूझ की भी सराहना की। समाज के युवा के इस अनूठे वर्ल्ड रिकॉर्ड की चर्चा हर जगह है और सभी कृष्ण कुमार सैनी के इस साहसिक यात्रा की सफलता पर बधाई प्रेषित कर रहा है हम सभी उनको शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए

ताराचंद सैनी दसवीं बार चौधरी पद पर नियुक्त हुए

सोजत। समाजसेवी ताराचंद सैनी को दसवीं बार चौधरी पद पर सर्व समिति से नियुक्त किया गया। माली समाज पावटी का बास की आम मीटिंग सुबह 11.00 बजे मौहल्ले की हताई श्री ठाकुर जी मंदिर पर आयोजित हुई। श्री ठाकुर जी महाराज की पूजा अर्चना कर मीटिंग का शुभारंभ किया गया। ताराचंद सैनी द्वारा पूर्व कार्यकाल लेखा- जोखा पेश किया गया। उपस्थित सभी मौहल्ले वासियों द्वारा जांच कर सही एवं सुव्यवस्थित होना बता कर कार्यकाल की सराहना की गई। सामाजिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए सैनी के द्वारा अपना इस्तीफा दिया गया।

मौहल्ले वासियों द्वारा नए चौधरी बनाने की चर्चा कर पिछले कार्यकाल के विकास कार्यों एवं आपसी सामंजस्य को ध्यान में हुए अशोक देवड़ा द्वारा पुन: ताराचंद सैनी को चौधरी बनाने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर उपस्थित सभी मौहल्ले वासियों ने विस्तार से प्रस्ताव पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान कर सर्व सहमति से पुन: ताराचंद सैनी को चौधरी बनाया गया। मौहल्ले वासियों ने सैनी को माला पहनाकर मान सम्मान देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। सैनी ने सभी मौहल्ले वासियों के निर्णय को स्वीकार कर आभार व्यक्त करते हुए पूर्व की भांति विकास कार्यों एवं सामाजिक एकता में सहयोग करने का निवेदन किया गया। सैनी ने पूर्व के पंचों को यथावत रखते हुए नये पंच के रूप में अशोक देवड़ा को सामिल करने की घोषणा की गई जिसकी सभी ने सहमति प्रदान की।

ताराचंद जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं आपके समाजहित के किए जा रहे निष्पक्षता, ईमानदारी के परिणामस्वरूप समाज के सभी वर्गो ने आप को 10वीं बार चौधरी के पद पर नियुक्त कर जो सम्मान दिया इसके आप हकदार है।

आज की मीटिंग में मौहल्ले के लक्ष्मणराम सांखला, कालूराम सोलंकी, मंगलाराम गहलोत, अशोक देवड़ा, लालाराम पालड़िया, गिरधारी लाल गहलोत, सोहनलाल सांखला, पेमाराम गहलोत, राजेंद्र सोलंकी, नत्थाराम पालड़िया, मंगलाराम, जगदीश गहलोत, रामचंद्र पालरिया, घनश्याम सोलंकी, मिसरीलाल पालरिया, आदि उपस्थित रहे।

समाज सेवी ताराचंद माली अनेकों सामाजिक संस्थाओं से काफी समय से जुड़ें हुए है और देशभर में आयोजित होने वाले सामाजिक आयोजनों एवं समारोहों में अपनी महत्ती भूमिका निभाते है। हम सभी ताराचंद माली को हार्दिक बधाई देते है।

राष्ट्रपति के निजी किचन की जिम्मेदार, पिछले दो साल से पार्लियामेंट ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव शेफ और 'क्लब दे शेफ' के प्रतिष्ठित सदस्य

मोंटू सैनी दूतावास में प्रतिष्ठित फ्रांसीसी अलंकरण से हुए सम्मानित

नई दिल्ली। पार्लियामेंट ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव शेफ मोंटू सैनी 23 फरवरी को फ्रांसीसी दूतावास अलंकृत हुए। उन्हें 'क्लब द शेफ द शेफ' के प्रतिष्ठित सदस्य और भारतीय शेफ के रूप में सम्मानित किया गया। सैनी अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस क्लब के सदस्य हैं। उन्हें फ्रांसीसी गणराज्य के योग्यता के अधिकारी के रूप में स्वीकार किया गया है।

मूल रूप से हांसी के डडल पार्क के रहने वाले मोंटू सैनी लंबे समय तक राष्ट्रपति भवन के एग्जीक्यूटिव शेफ रह चुके हैं। 2015 में ज्वाइन करने के बाद से मोंटू राष्ट्रपति भवन में होने वाले हर बैंक्वेट, भोज या डिनर के लिए अपनी टीम के साथ खाना बनवाते रहे हैं। मोंटू के पास राष्ट्रपति के निजी किचन की भी जिम्मेदारी रही है। वह तीन राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन के शेफ रह चुके हैं। पिछले करीब दो साल से वह पार्लियामेंट ऑफ इंडिया इंडिया एग्जीक्यूटिव शेफ हैं।

मोंटू राष्ट्रपति का शेफ होने के नाते दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भारतीय कुजिन का जायका दिलाते रहे हैं। वह राष्ट्रपति भवन के मेहमानों को इंडियन फूड ही खिलाने का प्रयास करते थे। म्यांमार की नेता आंग सान सू जब भारतीय राष्ट्रपति भवन की मेहमान बनीं तो उन्होंने पूरी भाजी, डोसा, कचौरी जैसे भारतीय भोजन की फरमाइश की। मोंटू की पहल पर राष्ट्राध्यक्षों के शेफ्स के एलीट क्लब 'क्लब द शेफ द शेफ' की कॉन्फ्रेंस भारत में पहली बार आयोजित की गई। 'क्लब द शेफ द शेफ' के कार्यकारी सचिव और संस्थापक की तरफ से मोंटू को फ्रांसीसी दूतावास में अलंकृत करने की जानकारी दी गई। पेरिस हमारे 20 सदस्यों को सबसे प्रतिष्ठित फ्रांसीसी अलंकरण प्रदान करेगा।

पीसीएसडी स्कूल के छात्र रहे हैं मोंटू : मोंटू ने दसवीं तक की पढ़ाई हांसी के पीसीएसडी स्कूल में की। बारहवीं की पढ़ाई हिसार में की और फिर बैंगलूरू में होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए गए। वहीं उनका कैंपस सेलेक्शन हो गया। मोंटू के पिता राम सिंह सैनी हिसार और हांसी में एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग में अधिकारी रहे। मोंटू सैनी की इस उपलब्धि पर अनेकों सामाजिक संस्थाओं के साथ प्रबुद्धजनों ने हार्दिक बधाई दी। हमें मोंटू सैनी की उपलब्धि पर गर्व है।

जिस मैदान पर मां मजदूर वहीं से 17 वर्षीय नशा सैनी ने भरी उड़ान राजस्थान टीम में हुई सलेक्ट

सीकर। राधाकिशनपुरा निवासी निशा सैनी ने विपरीत परिस्थितियों में मेहनत के बूते सफलता की अनूठी मिसाल पेश की है। जिस मैदान पर निशा की मां ने कभी साफ-सफाई और मजदूरी का काम संभाला, उसी मैदान पर निशा ने स्पिन गेंदबाजी का ऐसा जादू बिखेरा कि महज 17 साल की उम्र में ही उनका चयन राजस्थान की सीनियर टीम में हो गया।

पिछले साल आरसीए की विभिन्न टूर्नामेंट निशा सैनी ने 17 वर्ष की उम्र में ही बना ली राजस्थान टीम में जगह और कैंप्स के मैचों में 18 विकेट हासिल कर निशा ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। कम उम्र में ही उनका चयन सीनियर टीम में हो गया। निशा ने अपने मेहनत के बूते यह सफलता प्राप्त की है, वे कड़ा अभ्यास कर रही हैं. ताकि अपने सपनों को पूरा कर सकें। निशा बीए फर्स्ट ईयर की छात्रा है।

लोगों ने किया विरोध : निशा के माता-पिता दोनों मजदूरी करते हैं। पिता सुरेंद्र सैनी कपड़ों की दुकान पर सेल्समैन तो मां मंजू देवी खेत में मजदूरी करती है। राधाकिशनपुरा स्थित एक क्रिकेट एकेडमी में घास आदि की साफ- सफाई सरीखे काम भी उन्होंने मजदूरी पर ही किए। अभावों से जूझते परिवार से निकलकर निशा को जब लोगों ने लड़कों के साथ क्रिकेट खेलते देख तो उसपर खेल छोड़ने का दबाव डाला गया। निशा ने हर चुनौती का सामना किया और आगे बढ़ती चली गई। निशा के इस जुनून को देखते हुए कोच संदीप सैनी ने उन्हें नि:शुल्क कोचिंग दी।

शेनवार्न को मानती हैं आदर्श : निशा ने नौ साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। स्कूली शिक्षा के दिनों में ही क्रिकेट मैच देखने मैदान पर आती थीं। यहां चौके-छक्के लगने पर खूब रोमांचित होती थीं। निशा ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर शेनवार्न को अपना आदर्श मानती हैं। निशा का लक्ष्य अब भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाकर देश का नाम रोशन करना है। हमें समाज की युवा खिलाड़ी निशा पर गर्व है आपने विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए अल्प आयु में राज्य क्रिकेट टीम में स्थान प्राप्त कर एक मिसाल कायम की है हम सभी आपको इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

समाज की युवा क्रिकेटर को अनेकों संस्थाओं के साथ प्रबुद्धजनों ने उसकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी निशा ने अपनी प्रतिभा से समाज के साथ ही राजस्थान टीम में सफलता प्राप्त करते अपना स्थान बनाया है और शीघ्र ही भारतीय टीम में भी जगह बना देश के लिए खेलेगी यही हम सभी की कामना है।

शिक्षा बिना जीवन अधुरा, हम बालिका शिक्षा पर ध्यान दें : राजेन्द्र गहलोत

सांचौर। शहर के नेशनल हाइवे 68 स्थित माली समाज छात्रावास में माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह व शिक्षा जागृति सम्मेलन का आयोजन 1008 मोहनराम महाराज के सानिध्य में राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत, थराद प्रधान दानाभाई सुन्देशा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जालोर नरेंद्र परमार, पूर्व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार सोलंकी, रघुभाई देवड़ा की अध्यक्षता में लिखमीदासजी महाराज के समक्ष दीप प्रजज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें माली समाज की 251 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माली युवा संगठन समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ। जिसमें समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं स्कुल बैंग देकर के सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज आगे बढ़ता हैं शिक्षा बिना जीवन अधुरा है, बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए समाज में बालिका शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही, समाज को संगठित रहने की बात कही, संगठन में रहने से हमेशा कोई काम या कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन से ही समाज का विकास होता है। शिक्षा अधिकारी नरेंद्र परमार ने समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है उन्हें समय समय पर निखारने की जरुरत है, इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करने से समाज की प्रतिभाओं में शिक्षा व पढाई के प्रति लगाव बढ़ता है, वर्तमान समय में शिक्षा के प्रति समाज जागरूकता की अपील करते हुए शिक्षा को विस्तार ध्यान देते हुए नवीन पीढ़ी को संस्कारवान शिक्षा देने की बात कही। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार सोलंकी ने बताया कि शिक्षा से उच्च पायदान पर जाने के लिए प्रार्थमिकता स्तर की संस्कारवान शिक्षा की शुरुआत कर नयी पीढ़ी को शिक्षा की अलख जगाने व आगे भी समाज का नाम रोशन करने के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम का मंच संचालन दोलाराम सुन्देशा व गोरखाराम गहलोत के द्वारा किया गया।

इस मौके पर एडवोकेट पुरूषोत्तम सोलंकी, मुम्बई माली समाज अध्यक्ष शंकरलाल परमार, डूंगराराम इन्स्पेक्टर, सिरोही माली समाज अध्यक्ष चेताराम माली, भीनमाल पार्षद चुन्नीलाल गहलोत, माली समाज धर्मशाला अध्यक्ष मगाराम गहलोत, माली समाज छात्रावास अध्यक्ष कुभाराम संगठन गहलोत, माली युवा समिति अध्यक्ष धुड़ाराम सुन्देशा, स्मृति वन चौयरमेन अमराराम माली, किसान नेता भगवानाराम सुन्देशा, चितलवाना माली समाज धर्मशाला अध्यक्ष सरुपाराम सोलंकी, सरपंच मफाराम माली, सरपंच पीराराम माली, डॉ. सुभाष सैनी, अमराराम परमार, सब्जी मंडी अध्यक्ष मसराराम परिहार, माली मित्र मंडल अध्यक्ष मोहनलाल परमार, माली सैन कार्मिक अध्यक्ष जगदीश सोलंकी, पूर्व सरपंच रुडाराम परमार, भुपाराम फालना, नेमाराम परमार, दिनेश टांक, अशोक परमार, जेसाराम टांपी, महेन्द्र माली, लक्ष्मण परमार सहित समाज के सैकड़ों भामाशाह व माली समाज की महिला, बालक बालिकाओं हजारों समाज बंधु मौजूद रहे।

कोई हमारे समाज का 51 प्रतिशत समर्थन हासिल कर ले तो राजनीति छोड़ दूगी – शोभारानी

धौलपुर। विधानसभा चुनावी साल को जिले में सरगर्मियां भी तेज होती जा रही है। रविवार को शोभारानी धौलपुर विधायक कुशवाह ने शक्ति प्रदर्शन को लेकर मचकुंड रोड स्थित मेला ग्राउंड में चारों विधान सभाओं के समाज के लोगों की राजनैतिक जागृति महापंचायत हुई। इसमें कुशवाह समाज के लोग एकत्रित हुए। महापंचायत में मुख्य अतिथि विधायक शोभारानी ने समाज को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा के साथ-साथ समाज के हर घर का खुद के रोजगार पर जोर देते हुए कहा कि समाज के हर व्यक्ति को अपना रोजगार करना होगा। तभी समाज का विकास होगा।

उन्होंने विरोधियों को चैलेंज किया कि अगर कोई कुशवाहा समाज का व्यक्ति जिले में कुशवाहा समाज का 51 प्रतिशत समर्थन हासिल कर लेता है तो वे राजनीति छोड़ देंगी। उन्होंने कहा कि अगर कुशवाहा समाज का 51 प्रतिशत समर्थन आप लोगों के साथ नहीं है तो शांति से घर बैठ जाओ और समाज का साथ दो। अन्यथा समाज आप लोगों को माफ नहीं करेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश केसबलगढ़ से कांग्रेसी विधायक बैजनाथ कुशवाहा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा महासभा बाबू सिंह कुशवाहा ने भी समाज को एकजुट होकर अपनी राजनैतिक शक्ति मजबूत करने की बात कही। इस अवसर पर तुलसीराम कुशवाहा प्रधान सैंपऊ, रामदीन कुशवाहा बसेड़ी नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि, महावीर कुशवाहा लवकुश कुशवाहा विकास समिति धौलपुर, भीकम कुशवाहा सरपंच, रामप्रकाश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, नेमीचंद कुशवाहा, भंवर सिंह पूर्व प्रधान, राम लखन कुशवाहा सरपंच, चिंटू कुशवाहा, सियाराम कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

केरल के शुद्ध मसालों के व्यवसाय से लाखों का कारोबार करने वाली

गीतू सैनी ने साबित किया असंभव कुछ भी नहीं

भोपाल। ज्यादातर लोगों में ये धारणा बनी हुई है कि अगर आपको बिजनेस करना है तो आपके पास मोटा पैसा होना या बैंक से लोन लेना जरूरी है। गीतू सैनी थॉमस ने समाज की इस परंपरागत सोच को पीछे छोड़ते हुए बगैर किसी लोन के छोटे- छोटे प्रयासों से अपना लाखों का कारोबार खड़ा कर दिया। गीतू ने मार्केटिंग में एमबीए किया है। उन्होंने टेलीकॉम इंडस्ट्री में 16 साल तक नौकरी भी की लेकिन एक दिन वह कंपनी बंद हो गई। तब इन्होंने अपना खुद का बिजनेस शुरू करने का मानस बनाया।

गीतू ने बताया कि उनका ससुराल केरल में है। शादी के बाद वह जब केरल घूमने गई और ससुराल में बने खाने का स्वाद चखा तो उन्हें केरल के शुद्व मसालों का एक अलग ही स्वाद महसूस हुआ। तब अहसास हुआ कि उनके यहां मिलने वाला मसाला कितना अशुद्व और मिलावटी होता है। लिहाजा उन्होंने केरल से घर, परिवार और दोस्तों के लिए मसाला लाना शुरू किया और जब बाद में डिमांड बढ़ती गई तो इसे बिजनेस का रूप दे दिया। गीतू ने मसाले बनाने की तरीका और सलीका अपनी सास से ही सीखा है।

छोटी-छोटी जगहों से की शुरुआत

वर्ष 2018 में नौकरी छूटने के बाद पैसे नहीं होने और बैंक से लोन नहीं लेने की जिद के कारण गीतू ने सिर्फ 10 हजार रुपए और चार प्रोडक्ट से उसी वर्ष अपने कारोबार की शुरुआत की। उन्होंने छोटी-छोटी जगहों और प्रदर्शनियों में मसाले बेचना शुरू किया। लोगों का अच्छा रेस्पॉन्स मिला तो अब वह 90 से ज्यादा प्रोडक्ट्स बेच रही हैं।

समाज की युवा एंटरप्योनर गीतू की इस उपलब्धि पर हमें गर्व है जिन्होंने अपनी मेहनत के बूते आज यह मुकाम हासिल किया है। आप युवा महिलाओं के लिए रॉल मॉडल है जो चाहे तो अपनी योग्यता से कोई भी कार्य कर सफलता प्राप्त कर सकती है।

संजय गहलोत प्रदेश सचिव, नाथु सोलंकी टेबल टेनिस संघ के संयुक्त सचिव निर्वाचित

जोधपुर। राजस्थान टेबल टेनिस संघ के चुनाव जोधपुर में आयोजित पूर्व राष्ट्र स्तरीय खिलाड़ी संजय गहलोत प्रदे ा सचिव और जालोर के नाथू सोलंकी को प्रदेश संयुक्त सचिव निर्वाचित किया। इनका कार्यकाल आगामी चार वर्ष तक रहेगा।

जोधपुर के संजय गहलोत करीब 30 वर्षो से अपनी सेवाएं दे रहे है और अनेकों जिला, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजय होने के साथ ही पूर्व में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर चुके है। आज भी वो सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय हो अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। जालोर निवासी नाथु सोलंकी भी जिला स्तर पर संघ के पदाधिकारी के रूप में वर्षो से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं

विश्व पटल समाज को गौरवान्वित करती जर्नलिस्ट

अनेकों अवार्डस विजेता एंजेला सैनी

एंजेला सैनी (जन्म 25 अक्टूबर 1980 लंदन, इंग्लैंड में) एक ब्रिटिश विज्ञान पत्रकार और लेखक हैं। उनकी पहली पुस्तक गीक नेशनरू हाउ इंडियन साइंस इज टेकिंग ओवर द वर्ल्ड 3 मार्च 2011 को यूके में होडर एंड स्टॉटन द्वारा और अप्रैल 2011 में भारतीय उपमहाद्वीप में हैचेट द्वारा प्रकाशित की गई थी। वह साइंस, वायर्ड, में प्रकाशित हुई है।

द गार्जियन एंड न्यू साइंटिस्ट और बीबीसी रेडियो पर मटेरियल वर्ल्ड और कम या ज्यादा सहित शो के लिए लगातार प्रस्तुतकर्ता हैं। यूरोसाइंस फाउंडेशन द्वारा 2009 में उन्हें यूरोपियन जूनियर साइंस राइटर ऑफ द ईयर नामित किया गया था, और 2012 में सर्वश्रेष्ठ समाचार के लिए एसोसिएशन ऑफ ब्रिटिश साइंस राइटर्स अवार्ड जीता। सैनी बीबीसी लंदन न्यूज के पूर्व रिपोर्टर हैं, जो बीबीसी के क्षेत्रीय टेलीविजन समाचार कार्यक्रम को कवर करते हैं। ग्रेटर लंदन 2008 में, उसने फर्जी विश्वविद्यालयों की जाँच की, आयरिश इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रमुख को ट्रैक करना, जिसे बीबीसी टीवी के प्रमुख टेन ओश्क्लॉक न्यूज, बीबीसी न्यूज 24 और बीबीसी वर्ल्ड पर प्रसारित किया गया था। रिपोर्ट ने यूरोप में क्षेत्रीय टेलीविजन पत्रकारिता के लिए प्रिक्स सर्कश्रम अवार्ड जीता।

सैनी के पास ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री है और वह आईटीएन के पूर्व समाचार प्रशिक्षु हैं। उन्हें 2012 में MIT में नाइट साइंस जर्नलिज्म फेलोशिप से सम्मानित भी है। हमे समाज की जर्नलिस्ट पर गर्व है जिन्होंने विश्व पटल पर भारत के साथ माता पिता परिवार और समाज को गौरवान्वित किया है।

पेरा वॉलीबाल खेलों में राजस्थान की टीम बनी विजेता

दिव्यांग सीता ने दिलाया राजस्थान को गोल्ड

बाड़मेर। दिव्यांग सीता मनोज गहलोत ने पेरा खेलो में वॉलीबाल प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल दिलाया।

मालियों की ढाणी पचपदरा, बाड़मेर निवासी ने कुशल नेतृत्व से तमिलनाडु में आयोजित सीनियर नेशनल पैरा वॉलीबॉल चौंपियनशिप 2023 में राजस्थान टीम से प्रतिनिधित्व करते हुए फाइनल मैच में कर्नाटक को हरा कर राजस्थान को गोल्ड मेडल दिलाया। सीता मनोज गहलोत जिसने पिता ने पढ़ाया और ससुराल के परिवार ने हौसला बढ़ाया पति मनोज ने हर समय परिस्थिति में उनका साथ दिया है आज बच्चों की परवरिश के साथ परिवार के हर कार्य में सीता ने जवाबदारी निभाई है और साथ में वॉलीबॉल क्षेत्र में समग्र राजस्थान का नाम रोशन किया है ।

हमे समाज के बेटी पर गर्व है। हम सीता का हार्दिक स्वागत एवम अभिनन्दन करते है। आपने माता पिता के साथ समाज की बेटियों का सम्मान बढ़ाया हैं।

स्वर्गीय मानवेन्द्र सिंह गहलोत की तृतीय पुण्यतिथि पर 65 रक्तवीरों और रक्तवीरांगनाओ ने किया रक्तदान

युवा फिजूल खर्ची करने के बजाएं रक्तदान जैसे समाहित के कार्य करें : राजेन्द्र सोलंकी

जोधपुर। स्वर्गीय मानवेंद्र सिंह गहलोत की तृतीय पुण्यतिथि के मौके पर गहलोत निवास स्थित अनंता योग एंड आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर के नवनियुक्त चेयरमैन जस्टिस देवेंद्र कच्छवाहा एवं सीनियर डीएफम भारत सरकार विक्रम सैनी ने किया।

शिविर में 65 रक्तवीरों और रक्त वीरांगनाओ ने रक्तदान का साहस किया, इनमें से 47 यूनिट रक्त लिया गया। राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड चेयरमैन राजेंद्र सोलंकी ने कहा कि युवा वर्ग को यह समझना होगा कि किसी भी मौके पर फिजूल खर्ची करने की बजाएं रक्तदान जैसे समाजहित के कार्य करने चाहिए जिससे अन्य लोगों का भला हो सके। समाजसेवी जसवंत सिंह कच्छावाह, राजेश गहलोत, नरेंद्र सिंह कच्छावाह ने युवाओं कों रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

डॉ संदीप देवड़ा ने कहा कि एक यूनिट रक्त तीन व्यक्तियों की जान बचा सकता है, इससे ज्यादा पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसी स्थिति देखने में आती है, जिसमें खासतौर पर सड़क दुर्घटना में एवं गर्भवती महिलाओ में, जिनके अंदर रक्त की भारी कमी पाई जाती है तथा डिलीवरी के समय उन्हें रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है।

समाजसेवी कुलदीप सिंह देवड़ा ने बताया कि यह हम सबका कर्तव्य है कि हम, युवा वर्ग को समाजहित के कार्यो में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी एक व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है, साथ ही साथ किसी व्यक्ति के जीवन से जुड़े अन्य परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्ति को मिल रहा है।

आयोजन प्रभारी योगाचार्य श्याम भाटी ने बताया कि सभी रक्तवीरों कों हेलमेट एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्षद मुकेश गहलोत, मारवाड़ी युवा मंच प्रांतीय अध्यक्षा डॉ काजल वर्मा, दिलीप चांडक, अभिनव प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान अध्यक्ष धर्मेंद्र कच्छावाह, लोकोपायलट बलवीर गहलोत, मनीष गहलोत, मोतीराम गहलोत, प्रेमसिंह गहलोत, सालासर सेवा संस्थान प्रभारी अरविंद कच्छावाह, अर्जुन सिंह गहलोत, रोटरी क्लब अध्यक्षा कल्पना चौहान, सचिव पूजा जैन, समाजसेवी जीवनराम, प्रधान दिनेश, महासचिव जितेंद्र देवड़ा, ब्रह्मप्रकाश गहलोत, रविप्रकाश चौधरी, महेंद्र सुतलिया, वीरेंद्र सांखला, यश सांखला, कुलदीप, रेणु देवड़ा, मीना देवड़ा, नवीन देवड़ा, अरुण जी, गुड्डू जी सांखला डश्कक्टर संजय जी कविता जी गहलोत, एक्सएएन रणवीर कच्छावाह,निर्मल कच्छावाह सहित अनेक युवा मौजूद रहें। अमेरिका से वर्चुअल जुड़ी कविता गहलोत ने सभी रक्तदाताओं और सहयोगयों का सफल आयोजन के लिए हृदय तल से आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया।

हार्दिक बधाई

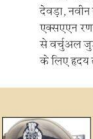

दबंग आईपीएस मंजिल सैनी को भारत की स्पेशल फोर्स NSG नेशनल सिक्योरिटी फोर्स (The Black Cat Commando) में DIG बनने पर हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मंजिल सैनी ने अपने कर्तव्यनिष्ठा एवं बहादुरी से अनेकों जटिल केसेज में बड़े से बड़े अपराधियों को पकड़ा है यही नहीं इनकी जीवनी पर फिल्म भी बन चुकी है। हमें मंजिल सैनी पर गर्व है। आपने माता पिता, समाज के साथ राष्ट्र को गौरवान्वित करने के साथ महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है।

प्रवीण गहलोत को एएसआई पद पर प्रमोशन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने हैड कांस्टेबल प्रवीण गहलोत को आउट ऑफ टर्न पदोन्नति के दिये निर्देश।

जाबांज पुलिसकर्मी ने अपने श्रेष्ठ कार्य योग्यता से लॉरेंस गैंग के वांछित अपराधी को पकड़ने में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका। हैड कांस्टेबल प्रवीण गहलोत अभी जोधपुर कमिश्नरेट के डीसीपी ईस्ट के साइबर सेल में सेवाएं दे रहे है। हमें युवा जांबाज पुलिसकर्मी प्रवीण गहलोत पर गर्व है।

म्यूजिक इंडस्ट्री में अल्प समय में धूम मचाने वाली युवा गायिका मनीषा सैनी को मिला The Great Ashoka Award

शेखावाटी की लता मांगेस्कर के नाम से प्रसिद्ध मनीषा सैनी (गुहाला, सीकर) एक बड़ी स्टार है

भारत की धरोहर को समर्पित रानी मोरे का ''जड़ों तक'' हिंदी कविता संग्रह प्रकाशित

मुंबई। भारत अध्यात्म और आधुनिकता एक ज्वलंत उदाहरण बन कर पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहा है। इसी अध्यात्म और आधुनिकता का अनोखा संयोग अपने कविताओं के अंदाज में बांधकर मुंबई में स्थित वाशिम की मूल निवासी साहित्यिका रानी अमोल मोरे 'उलेमाले' जी का भारत की धरोहर को समर्पित 'जड़ों तक' हिंदी कविता संग्रह गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रकाशित हुआ। विदर्भ पर्यटन पर आधारित वरहाड वार्ड और साहित्य भूषण पुरस्कार प्राप्त रानमोती कविता संग्रह के बाद रानी मोरे का यह हिंदी का पहला प्रयास है।

फिर भी दिलचस्प बात यह है कि इस कविता संग्रह को सुप्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायिका पद्मश्री पद्मजा फेनानी जोगलेकर जी ने अपनी प्रस्तावना से नवाजा है और 'नोशन प्रेस' प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। इस कविता संग्रह में कुल नउ खंड और इक्यासी कविताओं का समावेश है। जिनमे आराधना, जीवनकल्प, धरोहर, आख्यान, अभिप्रेरणा, मलाल, नित्यरथ, कुदरत और वालरत्न खंड है। हर खंड की कविताये अपने विभाजन के अनुरूप विषय पर गहराई से भाष्य करती है।

अपनी कविता संग्रह के बारे में कहते हुए रानी कहती है, 'जड़ोंतक' एक प्रयास है सच को सच के नजरिये से देखने का। जिसमें पढ़ने वाला भगवान श्रीकृष्ण से लेकर आधुनिक भारत की सत्ता संघर्ष तक हर वो विषय का आनंद ले सकता है और उसे 'जड़ों तक' सोचने के लिए मजबूर हो सकता है। अगर पढ़ने वाले सच्चे मन से कविताओं में रूची रखते है तो जड़ों तक उनके लिये एक जंगल की सैर जैसा है, जहाँ शिकार भी है और शिकारी भी, जहाँ पाणी भी है और आग भी, जहाँ तितलियाँ भी है तो जहरीले नाग भी, कुछ काटे भी चुभेंगे तो कुछ खूबसूरत खिलते फूल मन को मोहित भी करेंगे। यहाँ साधना, ईश्वर, वैराग्य, यथार्थ, सत्य, जीवन, पुरुषार्थ हर वो गुण समाविष्ट करने का प्रयास किया गया है, जहाँ से पढ़ने वाला पूरा हो गुजरे और अपने जीवन को जटीलता भरे धागो से छुड़ाकर सरल करे। विभिन्न विषयों पर टिप्पणी करते हुए रानी मोरे का यह कविता संग्रह युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी का मन मोह रहा है। उक्त कविता संग्रह सभी प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं के पास उपलब्ध होने के साथ साथ सभी ऑनलाइन वेबसाइटों पर भी उपलब्ध है।

ओ रे ओ बाबूल मोशाय... कैंसर से हारो नहीं, डरो नहीं, लड़ो और जी भरके जियो

खुद कैंसर से जंग लड़कर दूसरों की जिंदगी में भर रहे खुशी के रंग कैंसर को तात देकर उत्साह से कर रहे खेती, चलाते है ट्रैक्टर

जिंदगी और मौत ऊपर वाले के हाथ में है जहांपनाह, जिसे न आप बदल सकते हैं न मैं। हम सब तो रंगमंच की कठपुतलियां हैं, जिसकी डोर उपर वाले के हाथ बंधी हैं, कब, कौन, कैसे उठेगा, ये कोई नहीं जानता... । फिल्म आनंद में कैंसर पीड़ित अभिनेता राजेश जिंदादिली के साथ लोगों को जीना सिखाते है। सालों से शामली के हसनपुर गांव में कुछ इसी तरह बुजुर्ग रामप्रसाद भी यही काम कर रहें हैं।

जिले के छोटे से गांव हसनपुर लुहारी निवासी रामप्रसाद सैनी कैंसर की जंग तो लड़ ही रहे है, वहीं दूसरों को जीवन की उमंग, उत्साह और उल्लास से जिंदगी जीने का फलसफा सिखा रहे हैं। 66 वर्षीय रामप्रसाद कैंसर से पीड़ित होने के बावजूद भी रोजाना अपने काम सलीके से करते है। अपनी खेती का कार्य संभालते है। खुद ट्रैक्टर चलाकर दूसरों के खेतों में भी बुआई व गेहूं कटाई भी करते हैं। महसूस भी नहीं होने देते कि उन्हें गंभीर बीमारी भी हैं। यहीं नहीं दूसरों को भी इस बीमारी से लड़कर जिंदगी को जी भर के जीने का संदेश देते है। अक्सर चौपाल, गली, नुक्कड़, घरों और घेर में रामप्रसाद को हंसी ठिठौली करते देखा जा सकता है। बकौल, रामप्रसाद ईश्वर ने जीवन एक बार दिया है। जिंदगी और मौत उसी के हाथों में है। कोई भी उसका लिखा नहीं बदल सकता है। फिर लोग आखिरकार मौत से इतना घबराते क्यों है? वे कहते हैं, मौत तो सभी को एक दी।

इच्छाशक्ति के बूते खुद संभाल रहे मोर्चा

करीब 11 साल से रामप्रसाद कैंसर से पीड़ित है। उन्हें अपनी बीमारी और उसके परिणाम का भी पता है, लेकिन दृढ संकल्प, इच्छाशक्ति और खुशमिजाजी अंदाज से खेत, घर और अनेकों कार्य खुद करते है। साथ ही, लोगों को कैंसर से जंग लड़ने का हौसला देकर बेहतर तरीके से जीने को प्रेरित करते है। उनके दो बेटे हैं और बड़ी कंपनी में नौकरी करते है, पिता का ख्याल रखते है, लेकिन रामप्रसाद उन्हें भी यही कहते है कि वे अपनी नौकरी करें, क्योंकि खुद का ख्याल रख सकते है।

आस पड़ौस के गांवों के दूसरे कैंसर पीड़ितों को भी जिंदगी को जिंदादिली से जीने की कला सिखाते है। रोजाना काम करना और चौपाल में बैठकर देश गांव और प्रदेश की विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से अपना तर्क रखते है। वे अक्सर कहते है कि आनंद से जियो, बिल्कुल आनंद फिल्म के किरदार की तरह उन्हें देखकर दूसरे लोग भी ऐसे ही जिंदगी को आनंद से जीने लगे है। न आनी ही है। फिर इसे घुट-घुटकर जीने से क्या फायदा?

रामप्रसाद सैनी मिसाल हैं उन सभी कैंसर रोगियों के लिए जो अपनी बिमारी के कारण हताश होकर जिंदगी की आस छोड़कर बिस्तर पकड़ लेते है और अवसाद में चले जाते है आज विज्ञान ने ऐसी तरक्की की है कि सभी बिमारियों का इलाज संभव है और योग के दम पर भी अनेकों बिमारियों को काबू में किया जा सकता है। भारतीय आयुर्वेद में भी अनेकों जटिल से जटिल बिमारियों का इलाज होता है लेकिन हम में से अधिकतर लोगों को जानकारी का आभाव है तथा हम समय पर चेतते नहीं है जिसके कारण बिमारी के प्रारंभिक लक्षणों को दरकिनार कर देते है वर्ना अगर समय पर बिमारी का पता लग जाएं तो मरीज ठीक हो सकता है।

सावित्रीबाई फूले महिला महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित

सीकर। महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के तहत संचालित सावित्रीबाई फूले महिला महाविद्यालय एवं शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह एवं सांस्तिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

समारोह का प्रारंभ संस्थान अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सैनी, प्रोफेसर जे.डी. सैनी पूर्व संयुक्त निदेशक कक्षलेज शिक्षा राजस्थान, सैनी समाज अध्यक्ष भंवरलाल गार्ड, उपाध्यक्ष रामगोपाल सैनी के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। समारोह में अकादमी पुरस्कार एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रही छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान मेले का भी उद्घाटन किया गया।

सावित्रीबाई फुले महिला महाविद्यालय में एकल गायन में मोनू समोता, एकल नृत्य में जोया बहलीम,सामूहिक मोनू एंड ग्रुप विचित्र वेशभूषा में ममता प्रथम रही। सावित्रीबाई फूले महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में एकल गायन में माही पारीक सामूहिक नृत्य में तमन्ना एंड ग्रुप विचित्र वेशभूषा में गीता सैनी प्रथम रही। कार्यक्रम के समापन पर प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को सचिव ओ पी सैनी, सांस्कृतिक सचिव सुशीला सैनी निर्णायक रहे। डॉ. अंबिका व्यास, मुस्कान शर्मा, ललिता सैनी द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सरिता पारीक एवं किरण चौधरी ने किया।

इस अवसर पर भंवरलाल सैनी,मांगीलाल सैनी,घीसा लाल सैनी, हर्ष, मुकेश खड़ोलिया, नेमीचंद इंदौरिया, राजकुमार दैया संगठन सचिव, मदनलाल आरतियां, सुनील गहलोत, रामचंद्र नोपत्या, नरेश सैनी, ओबीसी प्रकोष्ठ कांग्रेस जिला अध्यक्ष, सोहनलाल सैनी सचिव सैनी समाज, राम अवतार सैनी, सत्यभामा सैनी, डॉ. मंजूलता सैनी, सीताराम सैनी ओमप्रकाश सैनी, पूर्व पार्षद प्रेमचंद सैनी विष्णु सिंगोदिया उपस्थित रहे।

सभी माली सैनी कुशवाहा शाक्य मौर्य इत्यादि समाजों के लोगों से अपील है हमारे समाज कि राजस्थान की प्रथम महिला विधायक माननीय श्रीमती शोभा रानी कुशवाह धौलपुर में एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमे धौलपुर विधायक श्रीमती शोभारानी बीएल कुशवाहा के आह्वान पर धौलपुर विधान सभा क्षेत्र में उमड़ा लाखों की संख्या में जनसैलाब। आने वाली विधानसभा के चुनावों में समर्थकों ने दिया 2023 के विधान सभा चुनाव जिताने का दीया आशीर्वाद इसी प्रकार भरतपुर जिले की सभी विधानसभाओं में समाज एकजुट होकर इन सभी विधायकों को सबक सिखाने का कार्य करें जिस तरह हमारी समाजों पर इन लोगों ने अत्याचार किए हैं और कर रहे हैं उनका जवाब विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में दे दिया जाएगा इसलिए सोचो समझो शिक्षित बनो संगठित रहो और राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें तभी जाकर हम लोग ताकतवर बन पाएंगे।

जय हिंद जय भारत जय महात्मा ज्योतिबा फुले जय मां सावित्रीबाई फुले

माली सैनी सन्देश

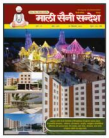

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 600/- | **5 वर्ष रु. 1,500/-** | **आजीवन रु. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________________

पता ____________________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ________ पोस्ट ________ तहसील ________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

देश के विभिन्न जिलों में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह की झलकियां

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : माली सैनी संदेश मो. : 9414475464 www.malisainisandesh.com

प्रेषण तिथि : 28/29 जनवरी 2023
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 28 फरवरी, 2023
Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

जननायक अशोक गहलोत का खुशहाल व समृद्ध राजस्थान बचत राहत बढ़त वाला राजस्थान बजट 2023 - 24 पेश

जन जन की आशा और आकांक्षा को पूर्ण करते हुए लोक कल्याण युवा बेरोजगार, कार्मिक एवं कृषि समर्पित समावेशी बजट में अभूतपूर्व घोषणाओं के लिए जननायक अशोक गहलोत का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।

सभी ब्लॉक स्तर पर सावित्री बाई फुले महाविद्यालय

सभी नगरपालिका क्षेत्रों में 20 किलोमीटर की सड़कें

23 लाख किसानों को नि:शुल्क विशेष किस्मो के बीज वितरण

प्रत्येक पत्रकार को फ्री लेपटॉप व टैब का ऐलान।

राजस्थान बजट 1000 इंग्लिश मीडियम स्कूल और खोले जाएंगे।

चिरंजीवी योजना के तहत अब 25 लाख का मुफ्त बीमा मिलेगा।

राजस्थान के 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर

राजस्थान में 100 यूनिट बिजली फ्री

अभी हार कहाँ मानी है,
बहुत से गलत लोगों का पर्दाफाश करना बाकी है।
यह तो मुश्किलों की नदी है,
अभी तो समंदर आना बाकी है।

- BPL एवं उज्जवला योजना से जुड़े 76 लाख परिवारों को 500 रूपए में गैस सिलेंडर
- घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 100 यूनिट बिजली फ्री किसानो को
- प्रतिमाह 2000 यूनिट तक बिजली फी
- चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा राशि 10 लाख से बढाकर 25 लाख
- चिरंजीवी दुर्घटना बीमा राशि 5 लाख से बढाकर 10 लाख १९,००० करोड का मंहगाई राहत पैकेज
- 1 करोड़ परिवारो को अन्नपूर्णा फुड पैकेट (चावल 1 किलो शक्कर 1 किलो तेल 1 लिटर एवं अन्य खाद्य मसालें) प्रति माह
- लंपी से पशुधन हानि पर प्रति पशु 40000 रूपए
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 1, 1 हजार इंग्लिश मिडियम स्कूल महिला उद्यमियों को मासिक भत्ता
- गांवो मे महात्मा गांधी विद्यालायो की सौगात विद्यालयो में नि:शुल्क यूनिफार्म का वितरण
- **युवाओं को 1 लाख नौकरियां**
- निगम, बोर्ड कोर्पो अन्य सभी कर्मचारियों को के संविदा कर्मी नियमित होगें एवं ठेका प्रथा खत्म 30,000 सफाई कर्मचारी की भर्ती
कोराना से अनाथ बच्चों को सरकारी नौकरी
- RTE में 12 वीं तक विद्यालयो नि:शुल्क शिक्षा सभी भर्ती परीक्षाएं नि:शुल्क, सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन महिलाओं को रोडवेज बस किराए में 50 प्रतिशत की छुट इंदिरा गांधी शहरी रो. गा.यो. में 125 दिन प्रतिवर्ष रोजगार
500 करोड के युवा विकास कोष का ऐलान
सभी प्रकार की पेंशन 500/- रू से बढाकर 1000/- रू

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR